RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 220 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, शनिवार 28 मई 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर

ओवरब्रिज के शुरू होने से यातायात भार में आयेगी 50 फीसदी की कमी- कलेक्टर

दुर्ग। प्रतिदिन 5 हजार से ज्यादा लोग रायपुर और दुर्ग के बीच आवागमन करते हैं। ऐसे में कुम्हारी में बन रहे ओवर ब्रिज पर सभी की निगाहें टिकी हैं। इसी ओवर ब्रिज की स्थिति का जायजा लेने के लिए आज कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे कुम्हारी पहुंचे थे। यातायात का दबाव कम करने के लिए नेशनल हाईवे के संबंधित इंजीनियरों को शीघ्र ओवरब्रिज का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को लाइटिंग और लेवलिंग संबंधित कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कहा ताकि सर्विस रोड से लगभग 50 फीसदी यातायात भार को कम किया जा सके।

इसके अलावा उन्होंने शहर को कनेक्ट करने वाली अन्य सड़कों और ओवर ब्रिज का भी निरीक्षण किया। एनएच के इंजीनियरों के साथ वो खुर्सीपार ओवरब्रिज, डबरापारा चौक, पावर हाउस ओवरब्रिज, चंद्रा-मार्य ओवरब्रिज और सुपेला ओवरब्रिज भी पहुंचे थे। उन्होंने ओवरब्रिज के साथ साथ सर्विस रोड को भी दूरूस्त कराने की बात कहीं। बरसात के दिनों में नागरिकों को जल भराव स्थिति से न गुजराना पड़े इसके लिए उन्होंने सुनियोजित तरीके से ड्रेनेज सिस्टम पर काम के लिए कहा। इस अवसर पर एसपी अभिषेक पल्लव, डीएसपी गुरूजीत सिंह एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे।

सेना भर्ती के बदल रहे नियम

चार साल की नौकरी के बाद सभी सैनिक होंगे बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। टूर ऑफ़ ड्यूटी योजना के तहत तीनों सेवाओं (थल सेना, नौसेना और वायु सेना) में भर्ती की नई प्रणाली में कुछ आमूल-चूल परिवर्तन प्रस्तावित किए गए हैं। इसके तहत भर्ती किए गए सैनिकों में से 100 प्रतिशत चार साल बाद सेवा से मुक्त किए जाएंगे। इसके बाद फिर 25 प्रतिशत को पूर्ण सेवा के लिए पुनः सूचीबद्ध किया जाएगा।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, उच्च पदस्थ सूत्रों ने सूचित किया है कि टूर ऑफ़ड्यूटी के अंतिम प्रारूप पर बहुत चर्चा हुई है और कुछ नए सुझाव प्रस्तावित किए गए हैं। उन्हें स्वीकार किए जाने की संभावना है क्योंकि नई भर्ती योजना की घोषणा अब किसी भी दिन होने की उम्मीद है।

शुरुआत में इस बात के प्रस्ताव दिए गए कि कुछ प्रतिशत सैनिकों को प्रशिक्षण सहित तीन साल की सेवा के बाद रिटायर किया जाएगा। कुछ को पांच साल की संविदा सेवा के बाद निकाला जाएगा। सिर्फ 25 प्रतिशत को पूर्ण अवधि के लिए बनाए रखा जाएगा। नए प्रस्ताव में कुछ बदलाव किए गए हैं। चार साल की नौकरी पूरी होने के बाद सभी को रिटायर कर दिया जाएगा। हालांकि, रिटायरमेंट के लगभग 30 दिनों के भीतर 25 प्रतिशत सैनिकों को वापस बुला लिया जाएगा। उनके शामिल होने के लिए एक नई तारीख दी जाएगी। उनकी पिछले चार वर्षों की संविदा सेवा को वेतन और पेंशन के निर्धारण के लिए उनकी पूर्ण सेवा में नहीं गिना जाएगा। ऐसे में सरकार को बड़ी रकम की बचत होने की उम्मीद है।

सूत्रों का कहना है कि तीनों सेवाओं में सैनिकों के कुछ ट्रेडों के लिए कुछ अपवाद होंगे, जिसमें उनकी नौकरी की तकनीकी प्रकृति के कारण उन्हें चार साल की संविदा सेवा से परे रखा जा सकता है। इनमें आर्मी मेडिकल कोर में सेवारत कर्मी भी शामिल हो सकते हैं।

एक प्रस्ताव यह भी था कि तकनीकी रूप से प्रशिक्षित सैनिकों को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से सीधे भर्ती किया जाना चाहिए ताकि उनके तकनीकी प्रशिक्षण पर अधिक समय खर्च न हो। सेना प्रशिक्षण कमान को इस संबंध में एक अध्ययन करने का काम सौंपा गया था, जिसके परिणाम का अभी पता नहीं चला है।

भर्ती में देरी को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन

सेना में लगभग दो वर्षों से कोई भर्ती नहीं होने के कारण उन क्षेत्रों के युवाओं में काफी चिंता है जो पारंपरिक भर्ती की चाह रखते हैं। भर्ती में देरी को लेकर हरियाणा के साथ-साथ पंजाब में भी विरोध प्रदर्शन हुए हैं। युवाओं को डर है कि जब तक सरकार भर्ती को फिर से खोलने का फैसला नहीं करेगी, तब तक उनकी उम्र अधिक हो जाएगी। हरियाणा में सेना में भर्ती नहीं हो पाने और अधिक उम्र होने के कारण हताशा में युवाओं की आत्महत्या के मामले भी सामने आए हैं।

चार हफ्ते में दीजिए जवाब, बीजापुर डीएम-एसपी को मानवाधिकार आयोग की नोटिस

सुरक्षा बलों ने गांव पर किया था हवाई हमला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीगसढ़ के बीजापुर के गांव पर अप्रैल में हुए हवाई हमलों के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने रिपोर्ट तलब की है। आयोग ने अधिकारियों ने पूछा है कि इस मामले में क्या कार्रवाई हुई। आरोप है कि अप्रैल में सुरक्षा बलों ने बस्तर संभाग के बीजापुर जिले के गांव पर हवाई हमला कर दिया था। आयोग ने यह भी कहा है कि यह रिपोर्ट चार हफ्ते के अंदर मिल जानी चाहिए। अगर तय समय के भीतर रिपोर्ट नहीं पेश की जाती है तो जिम्मेदार अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से मानवाधिकार आयोग के सामने पेश होना होगा।

आयोग से हस्तक्षेप की मांग

मानवाधिकार आयोग ने 23 मई को यह नोटिस जारी की है। डिग्री प्रसाद चौहान नाम के एक्टिविस्ट ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सामने 17 अप्रैल को शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि बीजापुर के जंगलों में ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों ने हवाई हमले किए थे। चौहान के मुताबिक इन हमलों में कई घरों को नुकसान पहुंचा था। शिकायतकर्ता ने मामले में मानवाधिकार आयोग से हस्तक्षेप की मांग की है। नोटिस में शिकायत की कॉपी बीजापुर डीएम और एसपी के पास भेजते हुए उनसे मामले में चार हफ्ते के अंदर रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा गया है। वहीं इस तय समय के भीतर रिपोर्ट न भेजने पर ह्यूमन राइट्स एक्टर 1993 के सेक्शन 13 के तहत अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने की बात भी कही गई है।

कपड़ा और तेल कारोबारी के ठिकानों पर सेंट्रल जीएसटी की रेड

टैक्स चोरी की शिकायत, दस्तावेज खंगाल रही टीम

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर जिले में सेंट्रल जीएसटी का छापा पड़ा है। बिलासपुर शहर के 2 बड़े कारोबारियों के ठिकानों पर टीम के सदस्य दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। बिलासपुर के मर्चेंट एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष देवीदास वाधवानी और कपड़ा कारोबारी भारत होजियरी के प्रतिष्ठानों पर टीम ने छापा मारा है। दोनों कारोबारियों के ठिकानों पर 4-4 के ग्रुप में जीएसटी की टीम पहुंची। दोनों संस्थानों पर टैक्स चोरी की लंबी-चौड़ी शिकायत केंद्र सरकार तक पहुंची है। कारोबारियों के घर व दुकानों पर दस्तावेजों की जांच जारी है।

मिली जानकारी के मुताबिक बिलासपुर के वाधवानी ट्रेडर्स व भारत होजियरी के प्रतिष्ठानों पर शुक्रवार दोपहर बाद जीएसटी की टीम ने छापा मारा है। वाधवानी ट्रेडर्स तेल, शक्कर, ड्रायफ्रुट व किराना के थोक विक्रेता है। वहीं भारत होजियरी का कपड़े का बड़ा कारोबार है। दोनों की गिनती बिलासपुर शहर के बड़े कारोबारियों में होती है। जांच टीम की नेतृत्व सुप्रिटेंडेंट अरुण कुमार कर रहे हैं। टीम के सदस्य फर्म संचालक देवीदास वाधवानी के व्यापार विहार स्थित वाधवानी ट्रेडर्स में स्टॉक और बिल की जांच कर रहे हैं। वहीं पुराना बस स्टैंड स्थित कपड़ा कारोबारी भारत होजियरी के संचालक पर भी टैक्स चोरी का आरोप है। टीम ने सर्वे को लेकर अभी कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। बताया जाता है कि न्यायधानी बिलासपुर के दर्जनभर से अधिक चार्टर्ड अकाउंटेंट जीएसटी इंटेलिजेंस के रडार पर हैं।

केंद्र सरकार तक पहुंची बड़ी टैक्स चोरी की शिकायत

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक देवीदास वाधवानी के खिलाफटैक्स चोरी की लंबी-चौड़ी शिकायत केंद्र सरकार तक पहुंची है, जिसके बाद सेंट्रल जीएसटी की टीम ने छापेमारी की है। कारोबारी पर बोगस लेनदेन, जीएसटी बिल में हेराफेरी, अवैध टिन नंबर से ग्राहकों को बिल देने जैसे गंभीर आरोप है। वहीं कपड़ा कारोबारी भारत होजियरी के संचालक पर भी टैक्स चोरी का आरोप है। सेंट्रल जीएसटी रायपुर की 6 सदस्यीय टीम दस्तावेजों की जांच कर रही है। छापे की कार्रवाई से दूसरे व्यापारियों में हड़कंप मच गया है। जांच में शामिल अधिकारी छापे की जानकारी अभी नहीं दे रहे हैं।

तालाब में नहाने गई दो मासूम बहनें डूबी, दूसरे दिन मिले शव, परिवार में कोहराम

सरगुजा। सरगुजा जिले के एक गांव में दो मासूम बहनों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। ये तालाब पर नहाने गई थीं। उनके शव दूसरे दिन तालाब में मिले तो परिवार में कोहराम मच गया।

सरगुजा पुलिस ने शनिवार को घटना की जानकारी दी। कदमा के थाना प्रभारी मनोज सिंह ने बताया कि उदयपुर क्षेत्र के दीवालीया गांव की रहने वाली दिव्या तिर्की (8) और उसकी बहन सुशीला (7) के शव शुक्रवार को तालाब में मिले। सरगुजा राजधानी रायपुर से लगभग 300 किमी दूर स्थित है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दीवालीया गांव के बंधन सिंह की दो बेटियां 26 मई को अपने परिवार के सदस्यों के साथ एक शादी में शामिल होने के लिए गई थीं। शाम को परिवार के सदस्य घर लौट आए, लेकिन उक्त दोनों बच्चियां लापता थी। शुरू में बच्चियों के पिता को लगा कि उनकी बेटियां अन्य बच्चों के साथ खेलने गई होंगी, लेकिन जब वे रात तक घर नहीं पहुंचीं तो उनकी तलाश शुरू की गई। अगले दिन, उनके शव गांव के तालाब में नजर आए।

जब आप मेरी उम्र के थे...बच्ची के सवाल पर सीएम बघेल ने कहा-पहले इंजीयिर बनना चाहता था

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जब आप मेरी उम्र के थे तब आप क्या बनना चाहते थे? दूसरी क्लास में पढ़ने वाली मिहिका ने जब यह सवाल छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से पूछा तो वह मुस्कुरा उठे। इसके बाद सीएम ने मिहिका को जवाब भी दिया। बता दें कि सीएम बघेल इन दिनों भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के तहत विभिन्न जिलों में लोगों से मुलाकात कर रहे हैं। बीते दिनों वह एक मेले में भी पहुंच गए थे, जहां उन्होंने अपनी पत्नी के लिए सिंदूर और बिंदी खरीदी थी।

भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान जगदलपुर के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में पहुंचे थे। यहां पर वह बच्चों के साथ बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान दूसरी क्लास में पढ़ने वाली मिहिका ने सीएम से पूछा जब जब आप मेरी उम्र के थे तब क्या बनना चाहते थे? यह सवाल सुनकर बघेल मुस्कुरा उठे। इसके बाद उन्होंने कहाकि वह पहले इंजीनियर बनना चाहते थे। लेकिन जब वह इसमें सफल नहीं हुए तो वह किसानी करने लगे और फिर राजनीति में आ गए। यह जवाब देकर सीएम बघेल ने मिहिका को दुलारा।

बच्चों के साथ सेल्फी भी ली

सीएम ने बघेल ने स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में सीएम बघेल ने बच्चों के साथ चाइनीज चेकर खेल का लुत्फ उठाया। यही नहीं, उन्होंने बच्चों के साथ सेल्फी भी ली। इससे पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने माकड़ी थाने का किया निरीक्षण। उन्होंने थाने का रोजनामचा चेक किया एवं लंबित प्रकरण, बंदी गृह आदि का निरीक्षण कर थाना परिसर में आम के पौधे का रोपण किया। सीएम बघेल पुलिस परिवार के सदस्यों से भी मिले एवं उनके साथ सेल्फी भी ली।

बतंगढ़-दीपक रजंन दास

दिमाग में बात तो आए, रास्ते हम खुद निकाल लेंगे

उसने चिकन का आर्डर दिया और थैले से स्टील का डोंगा निकालकर सामने रख दिया। कसाई मुस्कुराया, पर साथ खड़ी महिला भौंचक्की रह गई। फिर धीरे से पूछा- आप हमेशा डिब्बा घर से लेकर आते हो। जवाब मिला, जब भी बाजार जाती हूँ, कपड़े का थैला लेकर जाती हूँ। मेरे पापा भी जाते थे। हमारे घर में अलग-अलग प्रयोजनों के लिए अलग-अलग साइज के झोले हैं। कभी नाश्ता बाजार से मंगवाना हुआ तो इडली-चटनी-सांभर के लिए भी बर्तन लेकर जाते हैं। तो फिर मटन, मछली के लिए क्यों नहीं?

ये हैं डॉ पल्लवी। पेशे से वे निश्चेतना विशेषज्ञ हैं। दिन में चार-पांच सर्जरी हों तो उनका लगभग पूरा दिन ऑपरेशन थिएटर में ही निकल जाता है। पर वे उन बातों को कतई नहीं भूलतीं, जो उसने अपने परिवार, परिवेश, अध्ययन और अनुभव से सीखा है। उनका मानना है कि हम अपनी दिनचर्या और शॉपिंग को प्लान नहीं करते और इसीलिए प्लास्टिक, पालीथीन या लगभग उतने ही खतरनाक विकल्पों की गिरफ्त में आ जाते हैं। पहले लोग पुराने कपड़ों का थैला घर पर बनाया करते थे। इसके लिए पापा की पैंट सबसे अच्छी होती थी। पैंट पुरानी हो गई या फट गई तो उसके मजबूत झोले सी लिए जाते थे। पालीथीन कैरी बैग क्या आया, हमने अपना हुनर छोड़ दिया।

दरअसल बात चल रही थी हसदेव अरण्य क्षेत्र के जंगलों को बचाने की। डॉ पल्लवी ने कहा, 'हम भारतीय बड़े क्रिएटिव होते हैं। एक बार बात दिमाग में जाए तो सैकड़ों रास्ते हम खुद निकाल लेंगे। पर दिमाग में बात आए भी तो कैसे। वहां तो बेकार के उत्तेजक मुद्दे पहले से ही डेरा डाले हुए हैं। ये धुंध छंटे तो हम खुद ही समझ जाएंगे कि संस्कृति और सभ्यता तभी बच सकती है जब ये धरती सुरक्षित रहे।'

संपादकीय

आर्यन आरोप मुक्त

सनसनीखेज मादक द्रव्य मामले में भारतीय सिने स्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को बरी कर दिया गया है। पिछले वर्ष जब 'ड्रग्स ऑन क्रूज' का मामला उछला था, तब पूरे फिल्म उद्योग को शर्मसार होना पड़ा था। एक जहाज पर अवैध रूप से नशा करते और नशे की सामग्री रखने के आरोप में आर्यन खान सहित अनेक लोगों को गिरफ्तार किया गया था। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने इस मामले को ऐसे पेश या प्रचारित किया था, मानो ब्यूरो ने कोई बहुत बड़ा तीर मार लिया हो। इसके अधिकारी बढ़-चढ़कर आर्यन खान को निशाना बनाने में लग गए थे। लेकिन अंततः साक्ष्यों के अभाव में आर्यन खान को आरोप मुक्त कर दिया गया है। यह दुखद पहलू है कि आर्यन को निर्दोष होते हुए भी जेल में कुछ समय रहना पड़ा और उसे नशाखोर और नशे का व्यापारी भी करार देने की कोशिश हुई। बीच-बीच में यह खबर भी आती थी कि आर्यन खान के खिलाफ साक्ष्य नहीं मिल रहे हैं, लेकिन अब मामला सबके सामने है, एनसीबी की दृष्टि से एक और हाई प्रोफाइल मामले का दुखद ही नहीं, बल्कि शर्मनाक पटाक्षेप हो गया है। इस चर्चित मामले के पांच अन्य आरोपियों को भी साक्ष्य की कमी के कारण आरोपों से मुक्त कर दिया गया है। एनसीबी ने 6,000 पृष्ठों का आरोप पत्र दाखिल किया है, जिसमें 14 आरोपियों का नाम लिया गया है। छापेमारी के बाद बहुत शोर-शराबा करते गिरफ्तार किए गए आर्यन खान को आरोपी नहीं बनाया जाना खास तौर पर मादक द्रव्य-विरोधी अधिकारी समीर वानखेड़े के लिए शर्म की बात होनी चाहिए। लोग भूले नहीं हैं, समीर को एक समय नायक बनाकर पेश किया जा रहा था। अब न केवल नकली जाति प्रमाण पत्र, बल्कि इस मामले में लचर जांच के लिए भी समीर के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। सरकार ने अगर घटिया जांच के लिए ऐसे अधिकारी के खिलाफ जांच के आदेश दे दिए हैं, तो कोई आश्चर्य नहीं। यह स्वयं सरकार के लिए भी नकारात्मक बात है कि उसका एक विभाग बिना साक्ष्य के किसी को गिरफ्तार कर लेता है। उसके अधिकारी किसी को भी गिरफ्तार करके बदनाम कर देने की क्षमता रखते हैं? प्रसिद्ध फिल्म सितारे या उनके पुत्र और फिल्म उद्योग का जो नाम बिगड़ा है, क्या उसकी भरपाई हो सकती है?

> पुख्ता जांच व साक्ष्य के अभाव में गवाह भी बड़ी आसानी से मुकर गए और एनसीबी के उच्च स्तरीय अभियान की हवा निकल गई। नाकामी की यह दास्तान पूरी एनसीबी के लिए सबक है। खोदा पहाड़ और निकली चुहिया की कहावत को बार-बार चरितार्थ करने वाले सरकारी विभागों को चुस्त-दुरुस्त करने का समय आ गया है।

ऐसे मामलों में पीड़ित को भरपाई का दावा जरूर करना चाहिए। ऐसी गलत या लचर जांच करने वाले अधिकारियों को दंडित करके आगे के लिए मिसाल पेश करनी चाहिए। कुछ अधिकारियों के बारे में यह धारणा सी बन जाती है कि ऐसे अधिकारी न केवल जांच में फिसड्डी होते हैं, बल्कि भ्रष्ट भी होते हैं। इस पहलू की भी जांच होनी चाहिए कि क्या ऊपर से किसी के इशारे पर आर्यन खान को निशाना बनाया गया था? क्या क्रूज पर छापेमारी केवल दिखावे के लिए थी, मकसद कुछ और था? छापेमारी की गई, तो न उसकी वीडियोग्राफी की गई, न फोन की सामग्री का विश्लेषण ठीक से किया गया। नशाखोरी को साबित करने के लिए कोई चिकित्सा जांच नहीं हुई। पुख्ता जांच व साक्ष्य के अभाव में गवाह भी बड़ी आसानी से मुकर गए और एनसीबी के उच्च स्तरीय अभियान की हवा निकल गई। नाकामी की यह दास्तान पूरी एनसीबी के लिए सबक है। खोदा पहाड़ और निकली चुहिया की कहावत को बार-बार चरितार्थ करने वाले सरकारी विभागों को चुस्त-दुरुस्त करने का समय आ गया है।

कांग्रेस के सारे दावेदार एक कमेटी में

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने नव संकल्प शिविर के संकल्पों को लागू करने के लिए तीन महत्वपूर्ण कमेटियों का गठन किया है। एक कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति है। दूसरी 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों के लिए बनाई गई टास्क फोर्स है और एक भारत जोड़ो यात्रा के समन्वय की कमेटी है। इसमें चुनाव की तैयारी वाली कमेटी के प्रमुख पी चिदंबरम हैं। ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस के राज्यसभा सीट के जितने भी दावेदार हैं सब इसी कमेटी में रख दिए गए हैं। कमेटी के अध्यक्ष पी चिदंबरम की राज्यसभा का कार्यकाल भी खत्म हो रहा है और वे भी दावेदार हैं। पी चिदंबरम अभी महाराष्ट्र से राज्यसभा सांसद हैं। इस बार अभी तक तय नहीं है कि वे महाराष्ट्र से ही उच्च सदन में जाएंगे या अपने गृह राज्य तमिलनाडु से उनको भेजा जाएगा। ध्यान रहे डीएमके ने इस बार एक सीट कांग्रेस के लिए छोड़ी है। चिदंबरम के कमेटी में दूसरा नाम मुकुल वासनिक का है। वे पिछले 20 साल से पार्टी के महासचिव हैं। पांच साल के लगातार कार्यकाल के बाद पद छोड़ने के नियम के मुताबिक उनको महासचिव पद छोड़ना है। वे काफी अरसे से राज्यसभा में जाने की उम्मीद कर रहे हैं। इस बार संभव है कि उनको अपने गृह प्रदेश महाराष्ट्र से मौका मिले।

> जो भारत का अमृत काल होगा और वर्तमान युवा पीढ़ी उस समय देश का नेतृत्व कर रही होगी। साढ़े तीन दशक के बाद लागू हुई 'नई शिक्षा नीति' और 'सेंट्रल विस्टा' बनाने जैस साहसी निर्णय भी मोदी सरकार की दूरदृष्टी का उदाहरण हैं। आज जब 'आजादी के अमृत महोत्सव' में केंद्र सरकार अपने आठ वर्ष पूरे कर रही है तो यही ध्यान में आता है कि राष्ट्रभक्ति ले हृदय में हो खड़ा यदि राष्ट्र सारा तो संकटों को मात देकर राष्ट्र विजयी हो हमारा।

जी. किशन रेड्डी

सेवा, सुशासन और सशक्त नेतृत्व के आठ साल

निस्संदेह जब 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने सत्ता संभाली, तो उस समय देश घोर निराशा के वातावरण से गुजर रहा था। भ्रष्टाचार चरम पर था, हर दिन कोई एक नया घोटाला सामने आता था। सामान्य जनमानस के मन में था कि अब इस देश का कुछ नहीं हो सकता। ऐसे में वर्ष 2014 के दौरान भारत की जनता को नरेंद्र मोदी में आशा की नई किरण दिखाई दी और हुआ भी वही। आज यह गर्व की बात है कि केंद्र सरकार में बीते आठ वर्षों में एक भी घोटाला नहीं हुआ। यह इसलिए संभव हो पाया, क्योंकि 2014 में जब नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने संसद को लोकतंत्र का मंदिर मानकर माथा टेका और देश की देवतुल्य 135 करोड़ जनता के सामने प्रण लिया ना खाऊँगा ना खाने दूंगा।

एक नई सोच के साथ नरेंद्र मोदी ने सत्ता संभाली और उनकी नई सोच यह थी कि हमारे समक्ष विश्व गुरु भारत का लक्ष्य है और यह लक्ष्य जनभागीदारी से पूर्ण होगा। इसलिए जब हम दुनिया का नेतृत्व करने की बात करते हैं तो हमारे देश के सामान्य व्यक्ति की बुनियादी जरूरत सिर्फ रोटी, कपड़ा और मकान नहीं हो सकती, 21वीं सदी में इस सब के अलावा कनेक्टिविटी चाहिए, अच्छी शिक्षा चाहिए, चिकित्सा सुविधा चाहिए, पीने का स्वच्छ जल चाहिए, बिजली चाहिए, इंटरनेट चाहिए, शौचालय चाहिए, सुरक्षा चाहिए, सम्मान चाहिए और विकास में भागीदारी के नए अवसर चाहिए। बस इसी सोच से इस यात्रा की शुरुआत हुई, जिस प्रकार एक पिरामिड बनता है, उसी प्रकार 2014 से लगातार साल-दर-साल विश्वगुरु भारत के लक्ष्य को केंद्रित कर मोदी सरकार ने सैकड़ों योजनाओं का श्रीगणेश किया।

सुशासन किसी भी लोकतांत्रिक देश की सबसे बड़ी ताकत होती है, इसलिए मोदी सरकार की दूरदर्शिता, पारदर्शिता, दृढ़ इच्छाशक्ति, गरीब कल्याण और सेवा भाव की नई सोच के साथ सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास और सबका प्रयास सुशासन का मूल मंत्र बना। सुशासन की जड़ें पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय सिद्धांत पर आधारित हैं, जिसमें उन्होंने सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति को मिलने की बात कही है। मोदी सरकार के पिछले आठ वर्षों में, ना सिर्फ सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति को मिला है, बल्कि पद्मश्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण जैसे सर्वोच्च सम्मान भी उन सामान्य लोगों के हाथों में आए, जो हर दृष्टि से इसके हकदार थे। यह सुशासन, सरकार के प्रति सामान्य जनमानस के मन में विश्वास को और दृढ़ करता दिखाई देता है।

यह सत्य है कि छोटी-छोटी बातों से बड़े बदलाव आते हैं। इसलिए सबसे पहले केंद्र सरकार ने उन योजनाओं पर ध्यान दिया, जिन्होंने सामान्य जन के आत्मगौरव, आत्मविश्वास और बुनियादी जरूरतों को पूरा किया। कनेक्टिविटी सबसे पहली जरूरत है, आज बड़ी बात यह है कि देश में सड़कों का जाल बिछ गया है, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, भारत माला परियोजना और पर्वत माला परियोजना के माध्यम से सारा भारत जुड़ गया है। पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों को इन आठ वर्षों में पहली बार ट्रेन का सफर करने का अवसर मिला। देश के करोड़ों लोग ऐसे थे, जिन्होंने बैंक में प्रवेश तक नहीं किया था। जन धन योजना के तहत लगभग 45 करोड़ देशवासियों को बैंक से जोड़ा गया। 2014 में स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया तथा देश में 11 करोड़ से अधिक शौचालय बने व देश के 6 लाख से अधिक गाँव 'खुले में शौच मुक्त' हुए। 'उज्ज्वला योजना' के तहत देश की 9 करोड़ महिलाओं को धुएं से आजादी मिली और उन्हे गैस कनेक्शन मिला। सरकार ने नया जल शक्ति मंत्रालय बनाया और 9 करोड़ से अधिक परिवारों को पीने का स्वच्छ जल दिया। देश में 22 एम्स हॉस्पिटल का निर्माण हो रहा है तथा स्वस्थ भारत की दिशा में आयुष्मान भारत योजना से गरीब लोगों का पांच लाख तक मुफ्त इलाज हो रहा है। दूसरी बात कि देश के जनमानस को स्वावलंबी बनाने और उसका आत्मविश्वास बढ़ाने की दिशा में 'मुद्रा योजना', 'स्किल इंडिया', 'मेक इन इंडिया', 'डिजिटल इंडिया', 'स्टार्टअप' और 'ग्राम उदय से भारत उदय' जैसे अभियानों की शुरुआत हुई। हुनर हॉट जैसी गतिविधियों के जरिए देश की स्थानीय कारीगरी, कला और कौशल को उचित सम्मान मिला तथा उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। तीसरी बात यह है कि केंद्र सरकार ने 'बेटी बचाओ -बेटी पढ़ाओ अभियान', मुस्लिम महिलाओं को 'तीन तलाक' से मुक्ति और हर क्षेत्र में महिला भागीदारी सुनिश्चित करने की सकारात्मक पहल की। चौथी बात, देश में नए आर्थिक सुधार हुए जैसे- डिजिटाइजेशन और एक राष्ट्र-एक टेक्स जीएसटी देश के इतिहास में 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की दिशा में एक नया अध्याय था।

देश के किसान को समृद्ध करने की दिशा में भी अनेक कदम उठाए गए, केमिकल फ्री नेचुरल फार्मिंग अर्थात आर्गेनिक खेती के बल पर भारत वैश्विक बाजार में विश्व नेता बन सकता है। इसलिए ड्रोन सिस्टम, कृषि सिंचाई योजना, सॉलोर पंप, फसल बीमा, किसान सम्मान निधि, इको सिस्टम, सॉलोर पेनेल आदि सुविधा देने की नीति सामने आई है।

इसी प्रकार सैन्य शक्ति को मजबूत करते हुए ऑर्डिनेंस फैक्ट्री बोर्ड का पुनर्गठन किया, भारत ने लड़ाकू राफेल विमान और 48,000 करोड़ रुपये से 83 स्वदेशी तेजस विमान खरीदे। हमने दुनिया को अपनी ताकत का एहसास भी कराया, जब हमारे जवानों ने दुश्मन के घर में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक की तथा सुरक्षित अपने वतन लोटे।

इन आठ वर्षों में भारत की विदेश नीति भी अभूतपूर्व रही है। अफगानिस्तान प्रकरण और यूक्रेन व रूस के बीच हो रहे युद्ध से पता चलता है कि अब भारत के रुख को न केवल विशेष महत्व दिया जा रहा है बल्कि उससे मध्यस्थता की मांग की जा रही है।

इस आठ वर्ष की यात्रा में पिछले दौ वर्षों का कालखंड ना सिर्फ भारत के लिए बल्कि दुनिया के लिए महामारी का संकट था, बड़े-बड़े विकसित देश इसकी चपेट में आने से खुद को बचा ना सके। भारत जो हजारों वर्षों के इतिहास से सीखता आया है फिर एक बार हमने इस चुनौती भरी महामारी को अवसर में बदला और आत्मनिर्भर भारत का संकल्प किया। वर्तमान में 'स्टार्टअप' और 'वॉकल फॉर लोकल ' जैसे अभियानों से राष्ट्र आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ रहा है तथा पूरी दुनिया में राष्ट्र गौरव बढ़ रहा है। भारत ने दुनिया के सेंकड़ों देशों को सर्वे भवन्तु सुखिन: की भावना से वैक्सीन दी और अपने देश में महामारी के खिलाफ सबसे कम समय में 190 करोड़ टीकाकरण का इतिहास बनाया। इससे आगे अगर कहना है तो इन आठ वर्षों में यह केंद्र सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति और जनता का उसके प्रति अटूट विश्वास का ही प्रणाम है कि 70 वर्षों से लंबित धारा 370 हटा कर एक राष्ट्र -एक संविधान-एक ध्वज के सपने को पूरा किया व राम मंदिर के निर्माण जैसे सर्वाधिक विवादित माने जाने वाले विषय भी बड़ी सरलता व सौहार्दपूर्ण ढंग से निपट गए।

15 अगस्त 2021 से भारत अपनी आजादी के 75 वर्ष में 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहा है। आजादी के आंदोलन में जिस खादी को पहन स्वदेशी का नारा बुलंद हुआ,वह वास्तव में अब जाकर पूरा हकीकत में बदला। खादी ने पहली बार (2021-2022) एक वित्तीय वर्ष में एक लाख पन्द्रह हजार करोड़ रुपये का कारोबार किया है, जो देश में एक नया रिकॉर्ड है। आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत ने अपने 100वें यूनिकॉर्न का जन्म देखा। किसी भी स्टार्टअप के लिए यूनिकॉर्न बनना मील का पत्थर जैसी बड़ी उपलब्धि है। आज वैश्विक स्तर पर हर 10 में से 1 यूनिकॉर्न का उदय भारत में हो रहा है। यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि भारत का भारत के प्रति स्वाभिमान जागृत हुआ।

240 वर्षों के बाद काशी विश्वनाथ धाम कोरीडोर, चारधाम यात्रा, रामायण सर्किट, श्रीकृष्ण सर्किट और बुद्ध सर्किट जैसी योजना भारत की आस्था के लिए सुखद अनुभूति है। दुनिया के लोग बड़ी संख्या में भारत की विरासत का दर्शन करने आ रहे हैं क्योंकि भारत के अध्यात्म के पास विश्व के लिए सुख, शांति और कल्याण का मार्ग है। भारत के प्रधानमंत्री दुनिया के देशों में जाकर वहाँ के राष्ट्रीय अध्यक्षों को कर्म का संदेश देने वाली गीता भेंट स्वरूप देते हैं, इसी प्रकार योग भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत है, जिसे नरेंद्र मोदी के अथक प्रयासों के बाद वैश्विक पटल पर एक अलग पहचान मिली है निश्चित रूप से योग दुनिया को भारत की अमूल्य भेंट है। आज़ादी के अमृत महोत्सव में हमने आने वाले 25 वर्षों के लिए नए भारत की संकल्पना करते हुए नए लक्ष्य तय किए हैं। जो भारत का अमृत काल होगा और वर्तमान युवा पीढ़ी उस समय देश का नेतृत्व कर रही होगी। साढ़े तीन दशक के बाद लागू हुई 'नई शिक्षा नीति' और 'सेंट्रल विस्टा' बनाने जैस साहसी निर्णय भी मोदी सरकार की दूरदृष्टी का उदाहरण हैं। आज जब 'आजादी के अमृत महोत्सव' में केंद्र सरकार अपने आठ वर्ष पूरे कर रही है तो यही ध्यान में आता है कि राष्ट्रभक्ति ले हृदय में हो खड़ा यदि राष्ट्र सारा तो संकटों को मात देकर राष्ट्र विजयी हो हमारा।

(भारत सरकार के संस्कृति, पर्यटन एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री हैं)

वीरेंद्र यादव, प्रसिद्ध आलोचक

हिन्दी साहित्य की एक दमदार वैश्विक दस्तक

गीतांजलि श्री के उपन्यास रेत समाधि के अंग्रेजी अनुवाद टूम ऑफ सैंड को अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार दिया जाना हिंदी सहित समूचे भारतीय साहित्य के लिए गौरव का क्षण है। यह पहली बार है कि मूल रूप से भारतीय भाषा में लिखे गए एक उपन्यास को यह अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा प्राप्त हुई है। अपने कहन व कथन में गीतांजलि श्री मौलिक मुहावरे की कथाकार हैं। उनका विषय-विस्तार कस्बे की देशजता के साथ-साथ वैश्विक सरोकारों से युक्त है। देश में सांप्रदायिकता की विभाजक मनोदशा, स्त्री-नियति से लेकर विश्वस्तरीय आतंकवाद, सब कुछ उनकी रचनात्मक चिंता में शामिल रहा है।

पुरस्कृत उपन्यास रेत समाधि की कथा मां-बेटी के जिस स्त्री-युग्म के माध्यम से रची गई है, वह उत्तर भारतीय हिंदी समाज की पुरुष-सत्ता का विलोम है। स्त्री-युग्म का इस्तेमाल गीतांजलि ने पहले भी अपने उपन्यास माई और तिरोहित में किया है। रेत समाधि में वह अपनी कथायुक्ति के माध्यम से सहज रूप से स्वीकृत पुरुष आधिपत्य और स्त्री की अदृश्यता को दृश्यमान करती हैं। पति के न रहने पर जिस वृद्धा मां को परिवार की मुखिया होना था, उसकी ओर परिवार द्वारा पीठ दिखाने के विरुद्ध मां का दीवार की ओर मुंह कर लेना और फिर 'नहीं उठूंगीं' से लेकर 'नई उठूंगीं' तक का रूपांतरण यथार्थ और कला का खिलंदड़ा सहमेल है। मां का इस नई स्त्री में तब्दील होना और बेटी का इस प्रक्रिया में निमित्त होना पुरुषप्रधान समाज की सरहद का अतिक्रमण है। सरहद इस उपन्यास का बीजपद है। उपन्यास कथा में मां परिवार की सरहद ही नहीं, देश की सरहद के पार जाकर भी विभाजन पूर्व के दिनों को नाटकीय घटनाक्रम के रूप में जीती है।

दरअसल, यह उपन्यास कथावस्तु में कई सरहदों को तोड़ता है। ये सरहदें घर, परिवार, समाज, धर्म, परंपरा, लिंग से लेकर देश की सरहद के पार तक विस्तृत है। आधुनिक मध्यवर्गीय परिवार के मूल्यगत विघटन की कथा कहते हुए वह अपने वर्ग की रक्षक की भूमिका में न होकर उसकी निर्मम आलोचना करती हैं। वह औपनिवेशिक आधुनिकता की आलोचना के बरक्स देशज आधुनिकता का औपन्यासिक विमर्श न रचकर भारतीय सामंती समाज की आधुनिकता की फांक को उजागर करती हैं। वह अपनी कथा-प्रविधि में दीवार और दरवाजा सरीखी निर्जीव वस्तुओं को भी जिन कथा उपादानों में तब्दील कर देती हैं। इस कथा में किन्नर भी शामिल है और हाशिये का सामाज भी अपनी विविधता और बहुलता के साथ।

वह अपनी कथा का जो मौलिक मुहावरा रचती हैं, वह अभ्यस्त रुचि के पाठकों से किंचित मशक्कत की चाहत रखता है। दो राय नहीं कि गीतांजलि सरल मुहावरे की कथाकार नहीं हैं। उनकी कथा जितनी मुखर है, उसमें शब्दों के बीच उतने ही मौन और संकेत हैं। यह साहित्य का भिन्न आस्वाद है। इन्हें न ग्रहण कर पाना अभिव्यक्ति की दुरूहता न होकर पाठकीय अधैर्य अधिक है। दरअसल, अब वैश्विक स्तर पर उपन्यास जिन प्रविधियों को अपना रहा है, उसमें यथार्थ और कला का जो नया रूप उभर रहा है, वह गंभीर पाठ की चाहत रखता है।

बुकर पुरस्कार की ज्यूरी ने इसे उचित ही भारत का बेहतरीन उपन्यास बताते हुए देश-विभाजन से जोड़ा। इसकी बहुस्वरता और बहुस्तरीयता का स्वीकार हिंदी कथा संरचना के नवोन्मेष की स्वीकृति है। वर्तमान विभाजनकारी समय में रेत समाधि विघटन के विरुद्ध एक रचनात्मक हस्तक्षेप है। यह भी सुखद है कि सत्ता संरचना का यह प्रति-विमर्श जिस उल्लास और उम्मीद के मुहावरे में अभिव्यक्त हुआ है, वह हिंदी उपन्यास की नई सामर्थ्य का द्योतक है। गीतंजलि श्री द्वारा पुरस्कार स्वीकार करते हुए यह कहना कि इस पुरस्कार का मिलना 'उदासी और अवसादयुक्त' भी है, उपन्यास के निहितार्थ को उजागर करता है। रेत समाधि एक ऐसे शोकगीत सरीखा है, जहां अवसाद के बीच उम्मीद की किरण भी है। यह जिस समाज का उपन्यास है, वह एकरंगी न होकर बहुरंगी है। यहां हर्ष-विषाद, संपन्नता और विपन्नता का सहमेल है।

यह पुरस्कार हिंदी के साथ-साथ समूचे दक्षिण एशिया के साहित्य के लिए एक अच्छी शुरुआत इसलिए भी है कि इस समूचे भूभाग का जीवन, संस्कृति और उसका साहित्य अभी तक वृहत्तर दुनिया से ओझल रहा है। अपने इस उपन्यास के माध्यम से गीतांजलि श्री ने इस सरहद का भी विस्तार किया है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

जिंदगी जीनी है
बिना गिला-
शिकवा के बहुंत
कुछ पर्याप्त है
इस जीवन में।

-अंजली जैन
7024460938

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

गोठान ने बदली हमारी जीवनशैली, अब बाजार जाने के लिए नहीं मांगने पड़ते घरवाले से पैसे

घर की चार दिवारी के बाहर रखे कदम, तो जाना, सारा आसमां हमारा है

गर्व होता है हमे कि आप हमारे मुखिया है- सुनीता और धनेश्वरी ने एक स्वर में कहा

पहले थे केवल 4, आज स्व-प्रेरणा से 12 समूह कर रही कार्य

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। कोंडागांव विधानसभा में आम जन मानस से भेंट मुलाकात के लिए ग्राम राजागांव पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजागांव गौठान का अवलोकन किया। इस दौरान स्व सहायता समूह की सुनीता साहू और धनेश्वरी पटेल दीदी ने मुख्यमंत्री को 5 एकड़ में फैले अपने गौठान का भ्रमण कराया। उन्होंने बड़े गर्व से गौठान में संचालित रोजगार मूलक गतिविधियों के बारे में बताया और मुख्यमंत्री को गौठान में उत्पादित सब्जियों से भरी टोकरी भेंट की। सब्जी उत्पादन, मशरूम उत्पादन, मुर्गी पालन, डेयरी पालन, मसला प्रसंस्करण, मछली पालन, साबुन निर्माण, सभी प्रकार की गतिविधियां यहां संचालित हो रही है। महिला समूहों ने अब तक 7 लाख की आर्थिक आय गौठान में इन रोजगार मूलक गतिविधियों से हुई है। आलम यह है कि अब हमें, मेला मड़ई, दुकानदारी के लिए अपने घरवाले से पैसे नही मांगने पड़ते। आज हम गर्व से स्वयं के खर्च तो उठाती ही है, अपने बच्चों को भी नए कपड़े, खिलौने दिलाती है। यह सब संभव हुआ, आपकी इस योजना से। गौठान बने तो हम महिलाओं को रोजगार मिला, हम आर्थिक रूप से सशक्त बनी। पहले हम 4 समूह की महिलाएं इस गौठान में काम करती थी, हमारी सफलता को देख, गांव की और भी महिलाएं प्रेरित हुई और आज इस गौठान में 12 समूह कार्य कर रही हैं।

इस सीजन में लगभग 5800 किलो का वर्मीकम्पोस्ट विक्रय किए है, जिससे 2 लाख 27 हजार का लाभांश प्राप्त हुआ है। अब ग्रामीण अंचल की महिलाएं घर की चौखट पार कर सफलता की नई कहानियां गढ़ रही हैं।

छत्तीसगढ़ के चार चिन्हारी- नरवा, गरवा, घुरुआ, बारी- एला बचाना हे संगवारी के ध्येय के उद्देश्य से स्थापित गोठान आज हर दिन नए कीर्तिमान का साक्षी बन रहा है। गोधन के साथ ही इन गोठानो में महिला स्व सहायता समूहों के साथ भी न्याय हो रहा है। शासन की नीति से जहां गोधन को आज देश भर में पहचान मिली है, तो महिलाओं को भी आर्थिक संबल और संवर्धन मिल रहा है।

विधायक ने लिया जनसमस्या समाधान शिविर का जायजा

श्रीकंचपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम, दुर्ग सीमा क्षेत्र में जन समस्या समाधान शिविर में एक ऐसा वार्ड भी रहा है जिस वार्ड के नागरिको का कोई लंबित समस्या के निराकरण करने के लिए एक भी आवेदन प्राप्त नही हुआ । यह वार्ड क्रमांक 36 जहाँ से समस्याओं के संबंध में कोई आवेदन प्राप्त नही हुआ है । मोहन बाल मंदिर गंजपारा में आज शिविर का आयोजन किया गया जहाँ वार्ड 36, 37 एवं वार्ड क्रमांक 38 के नागरिको की मूल समस्याओं के निराकरण करने के लिए शिविर आयोजित की गई । शिविर स्थल में विधायक अरूण वोरा भी पहुंचे जहां नागरिको से मिले एवं नागरिको की समस्याएं सुने । एम.आई0सी.सदस्य ऋषभ जैन,भोला महोबिया,पार्षद श्रद्धा सोनी, नीता जैन एल्डरमैन अजय गुप्ता शिविर में पहुंचकर नागरिको का मार्गदर्शन किया । शिविर में आये लोगो से उनकी समस्याओ से अवगत होकर उन्हे शासन की योजनाओ के संबंध में जानकारियों दी गई तथा समस्याओ के निराकरण के प्रति गंभीरता दिखाई । शिविर स्थल में अलग अलग विभागों के संबंधित अलग-अलग काऊंटर टेबल लगाये गये थे जहां पर लोगो को समस्याओं के निराकरण किया जा रहा था । इस शिविर में पेंशन व राशन कार्ड के हितग्राहियों को त्वरित निराकरण करते हुए लेपटॉप व कम्प्युटर के माध्यम से समस्याओं का निराकरण किया गया तथा आबादी, पट्टा, पेयजल, साफ-सफाई सहित जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र व अन्य मांगो से संबंधित आवेदनों को सक्षम अधिकारियों को प्रेषित किया गया ! शिविर स्थल में आज निगम आयुक्त हरेश मंडावी, कार्यपालन अभियंता आर.के. पाण्डेय, शंकर दयाल शर्मा,भवन अधिकारी प्रकाश थवानी, जनसमस्या समाधान शिविर के नोड्ल अधिकारी जावेद अली, स्वास्थ्य अधिकारी गिरीश दीवान,सुरेश केलवानी, सहित निगम के सभी विभागो से संबंधित सक्षम अधिकारी उपस्थित होकर शिविर में आये समस्याओं के संबंधित आवेदनो का निराकरण किया गया।

खास खबर

गरियाबंद डोंगरी गाँव के बॉस शिल्प मे डिजाइन वर्क शॉप प्रशिक्षण का समापन

गरियाबंद। राज्य शासन द्वारा ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबन बनाने के साथ उनकी आर्थिक विकास के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है ,जिससे उनकी अर्थ ब्यवस्था सृदृढ़ हो।जिसमें बॉस शिल्प विभाग द्वारा वर्ष भर महिलाओं को बॉस के माध्यम से नए नए सामान बनाने का प्रशिक्षण तो दिया ही जाता है साथ ही उस प्रशिक्षण अवधि में उन्हें मानदेय के रुप से नगद भुगतान भी किया जाता है। ऐसा ही 90 दिन का प्रशिक्षण शुक्रवार को बॉस शिल्प केंद्र में 40 महिला प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया । ज्ञात हो कि 26 फरवरी से 27 मई तक आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में 40 महिलाओ को प्रशिक्षण देने भोपाल से डिजाइनर राजेश बत्रा को बुलाया था जो तीन माह तक उन 40 महिलाओं को 25 प्रकार के विभिन्न नए नए सामान का निर्माण करने का प्रशिक्षण दिए।जिसका समापन शुक्रवार को डोंगरीगाव उपसरपंच आरती ध्रुव,पंच तिलोसरी सहिस और सरोजनी रात्रे के आतिथ्य में किया गया।

बालमगोड़ा में 10 दिवसीय ग्रीष्मकालीन सीखना-सिखाना कार्यक्रम संपन्न

रायगढ़। प्राथमिक शाला बालमगोड़ा के संयुक्त तत्वावधान व अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के सहयोग में 10 दिवसीय ग्रीष्मकालीन सीखना-सिखाना कार्यक्रम का आज समापन हुआ। कार्यक्रम को आयोजित करने के पीछे बच्चों में शैक्षिक विकास के साथ-साथ शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, नेतृत्व क्षमता व रचनात्मक कौशल का भी विकास करना था। कोरोनाकाल में बच्चों के सीखने में आयी कमी को भी दूर करने व नयी शिक्षा नीति के तहत बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण व अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा देना भी इस कार्यक्रम का उद्देश्य था। 16 से 26 मई तक चलने वाला इस कार्यक्रम की रूपरेखा कुछ इस प्रकार थी। बच्चों ने प्रथम दिवस मुखौटा व अपना परिचय पत्र बनाना सीखा।

राजागांव गौठान में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने देखी प्रसंस्करण ईकाई, नवाचारों पर जताई खुशी, दहीकोंगा में सहकारी बैंक की शाखा खुलेगी

सुगंधित फसलों के नवाचार से कोंडागांव में खेती से मुनाफा तीन गुना होने की उम्मीद

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। कोंडागांव के राजागांव में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ग्रामीणों से भेंट-मुलाकात की। यहां उन्होंने गौठान में सुगंधित तेल निकालने का प्रसंस्करण यूनिट भी देखा। उन्होंने सुगंधित तेल का रेट पूछा। किसान ने बताया- 15 सौ रुपए प्रति लीटर, मुख्यमंत्री ने खुशी जताई। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेती किसानी को आगे बढ़ाने के लिए बाजार की जरूरतों के मुताबिक खेती को भी अपनाना चाहिए। दुनिया भर में सुगंधित फसलों के उत्पादों की मांग बढ़ रही है इसके अनुरूप ऐसे उत्पाद अपनाकर किसान काफी मुनाफा कर सकते हैं।

आप लोगों का कंपनी से एमओयू हुआ है और बाजार के लिए आप लोग निश्चिंत हैं। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि गौठान नवाचारों के केंद्र भी बने हैं और यहां भिन्न तरह की आजीविकामूलक गतिविधियों चलाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने भेंट मुलाकात के दौरान ग्रामीणों से कहा कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना के अंतर्गत धान के अलावा अन्य फसलों के उत्पादन के लिए भी सरकार सहयोग दे रही है। मुख्यमंत्री ने शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति की जानकारी भी लोगों से ली। भेंट-मुलाकात के दौरान उद्योग मंत्री श्री कवासी लखमा, राज्यसभा सांसद श्रीमती फूलोदेवी नेताम, सांसद दीपक बैज, कोण्डागांव विधायक श्री मोहन मरकाम एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

नक्सल पीड़ित अजोबती ने कहा, आपकी सरकार आने से मेरी तकलीफें हुई समाप्त- कोंडागांव के लखापुरी की नक्सल पीड़ित अजोबती ने कहा कि नक्सलियों ने मुझे दस दिन जंगल में रखा और बेरहमी से मारपीट की। नक्सलियों के भय की वजह से मुझे अपना घर छोड़ना पड़ा था। मुख्यमंत्री जी, आपकी सरकार आई तो मुझे सारी योजनाओं का लाभ मिला। अब मुझे कन्या छात्रावास में भृत्य की नौकरी मिल गई है। मेरे जीवन में सुखद बदलाव आपकी योजनाओं की वजह से हुआ है आपकी सरकार आने से मेरी तकलीफ दूर हुई।

स्थानीय लोग कोंडानार को ऋषिकेश कहते हैं, यहां बनाया गया वन चेतना केंद्र, मुख्यमंत्री ने ओपन जिप्सी में लिया प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद- कोंडानार में लोगों को ऋषिकेश जैसा एहसास होता है इसलिए इसकी तुलना ऋषिकेश से की जाती है। यहां शासन ने पर्यटन को विकसित करने आमचो सरगी प्रकृति हर्र वन चेतना केंद्र बनाया है। लोकार्पण के मौके पर मुख्यमंत्री ने भी यहां के प्राकृतिक सौंदर्य का दर्शन किया और इस अवसर पर एक बुकलेट कोंडानार- छत्तीसगढ़ का ऋषिकेश का विमोचन भी किया। इस अवसर पर काष्ठ कलाकार श्री शिवचरण ने उन्हें वुडन पोर्ट्रेट भेंट किया।

मुख्यमंत्री ने गुड़ी परिसर में जिम्मेदारीन बुढ़ी माता और बारह पिकोड़ी चौरासी मंदिर में की पूजा अर्चना- मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर जिम्मेदारीन बूढ़ी माता और बारह पिकोड़ी चौरासी मंदिर में पूजा अर्चना भी की। यहां गायता पुजारियों द्वारा गुड़ी परिसर में लाए गए गांव के देवी-देवताओं की पूजा भी उन्होंने की।

मुख्यमंत्री की महत्वपूर्ण घोषणाएं- दहीकोंगा में सहकारी बैंक की शाखा खुलेगी। मसोरा, मुलमुला में सामुदायिक भवन, दहीकोंगा में मिनी स्टेडियम बनेगा। पल्ली, भीरागांव, करंजी, चिलकुटी में स्कूल भवन का निर्माण किया जाएगा। राजागांव में जिम्मेदारीन माता मंदिर की देव गुड़ी के लिए 10 लाख रुपए की घोषणा की। राजागांव में शिव मंदिर जाने वाले मार्ग हेतु पुलिया की स्वीकृति, पंचायत भवन सिंघनपुर से बेड़ापारा सड़क निर्माण के साथ ही संबलपुर सड़क मुख्यमार्ग से विकासखंड शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान संबलपुल तक सड़क की घोषणा भी मुख्यमंत्री ने की।

राखी गौठान की महिलाएं केला तना रेशा से बनाने लगी हैं कर्टन और फाइल कवर

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशा के अनुरूप गौठानों से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूह अपनी मेहतन और लगन से स्वावलंबन के क्षेत्र में नित-नई उपलब्धियां हांसिल कर रही हैं। गौठानों में महिला समूहों द्वारा गोबर से जैविक खाद बनाने से लेकर एक्सपोर्ट क्वॉलिटी की सामग्रियां भी गौठानों में बनाई जाने लगी हैं। जैविक हर्बल गुलाल, विभिन्न प्रकार के सुगंधित तेल एवं साबुन, अगरबत्ती, मसाले आदि की बाजार में बढ़ती डिमांड महिला समूहों को नित नये प्रयोग के लिए उत्साहित किया है। बेमेतरा जिले की आदर्श गौठान राखी की महिला समूहों ने केला तना के रेशे से कर्टन (घरों में दरवाजा, खिड़की आदि में लगाए जाने वाला पर्दा क्लाथ) तथा ऑफिस में उपयोग होने वाली फाइल कवर का निर्माण कर रही हैं। राखी गौठान में महिलाएं गोबर से विद्युत उत्पादन भी कर रही हैं।

राखी गौठान की महिलाओं द्वारा तैयार केला तना के रेशे वाले कर्टन और फाइल कवर का उपयोग शासकीय कार्यालयों में किया जाएगा, ताकि महिला समूहों द्वारा उत्पादित उक्त दोनों सामग्रियों को मार्केट और बढ़ावा मिल सके। इस संबंध में छत्तीसगढ़ शासन कृषि विकास एवं कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग के कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने छत्तीसगढ़ शासन के सभी विभागों के विभागाध्यक्षों एवं केला तना रेशा से निर्मित सामग्रियों का आवश्यकतानुसार कार्यालयों के उपयोग के लिए क्रय किए जाने के निर्देश दिए हैं।

महिलाओं ने बायोफ्लॉक तकनीक से शुरु किया काम, मिलेंगे खूब मछलियों के दाम

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेलअपने भेंट मुलाकात अभियान के तहत कोंडागाँव विधानसभा के ग्राम राजागांव पहुंचे । उन्होंने वहाँ रूरल इंडस्ट्रियल पार्क की तर्ज पर निर्मित राजागाँव गौठान का निरीक्षण किया। गौठान पहुँचने पर मुख्यमंत्री को माँ वैष्णवी स्व सहायता समूह की सदस्य श्रीमती ममता बच्छड़ ने बताया कि उनके समूह के द्वारा मछली पालन की आधुनिक तकनीक बायोफ्लॉक पद्धति का उपयोग कर मछली पालन किया जा रहा है । इस पद्धति के जरिये छोटे सी टँकी में एक तालाब के बराबर मछली पालन किया जा सकता है । बायोफ्लॉक पद्धति में मछली के मल से प्रोटीन युक्त बैक्टीरिया जन्म लेती है, जो फिर से मछली के चारे के रूप में उपयोग में लायी जाती है, इससे किसानों को चारे के लिए किए जाने वाले अतिरिक्त व्यय में भी कमी आती है ।

उन्होंने आगे बताया कि 15 हजार लीटर पानी की क्षमता वाली इस टँकी में 5 क्विंटल मछली का उत्पादन किया जा सकता है । इससे समूह की महिलाओं को 6 महीने में ही 70 से 80 हजार रुपए तक कि आमदनी होगी । मुख्यमंत्री श्री बघेल ने समूह की महिलाओं की आधुनिक बायोफ्लॉक तकनीक से मछली पालन करने पर सराहना करते हुए उन्हें बधाई एवँ शुभकामनाएं दी ।

राजीव गांधी मितान क्लब से युवाओं की ऊर्जा को मिल रही सही दिशा

श्रीकंचपथ न्यूज

राजनांदगांव। युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा देने में राजीव गांधी मितान क्लब अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। उनकी रचनात्मकता एवं प्रतिभा को निखारने के लिए एक सकारात्मक माहौल मिला है। युवा शक्ति एवं स्फूर्ति से गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ की संकल्पना साकार होगी। समाज की असमानता एवं कुरीतियों को दूर करने तथा खेल-कूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 838 राजीव युवा मितान क्लब का गठन कर पदाधिकारियों का निर्वाचन कराया गया है। योजना के सतत क्रियान्वयन के लिए ऑनलाईन वेबपोर्टल तैयार किया गया है, जिसमें राजीव युवा मितान क्लब के 25 हजार पदाधिकारियों की डाटा प्रविष्टि की गई है। वृन्दावन मिनी स्टेडियम कार्यालय राजीव युवा मितान क्लब अंजोरा में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि के अवसर पर राजीव युवा मितान क्लब ग्राम पंचायत अंजोरा के अध्यक्ष एवं सदस्यों तथा ग्राम पंचायत अंजोरा के संयुक्त तत्वाधान में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मितान क्लब के सदस्यों द्वारा वॉलीबाल एवं कैरम खेल का आयोजन किया गया। मितान क्लब के सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

मितान क्लब के सदस्यों ने कोविड -19 टीकाकरण केंद्र में ग्रामवासियों को अधिक से अधिक टीकाकरण करवाने के लिए प्रेरित किया एवं घर घर दस्तक देकर ग्रामवासियों को वैक्सीन सेंटर तक लेकर आये और उन्हें टीका लगवाया। इस दौरान सरपंच श्रीमती अंजू शैलेश साहू, उपसरपंच, पंच एवं सहायक ग्रामीण विस्तार अधिकारी श्री बलबीर सिंह, ग्राम सचिव श्री आशुतोष राजपूत तथा ग्रामवासी उपस्थित रहे। सभी युवा मितान क्लब सक्रियतापूर्वक कार्य कर रहे हैं। ऑनलाईन वेबपोर्टल में जनसामान्य योजना के क्रियान्वयन और गतिविधियों का अवलोकन कर सकते है। योजना के क्रियान्वयन हेतु जिले के सभी 838 राजीव युवा मितान क्लबों को 25-25 हजार रूपये अनुदान राशि प्रदाय की गई है। जिले के 53 ग्राम पंचायतों में निर्मित मिनी स्टेडियम का जीर्णोद्धार कर राजीव युवा मितान क्लब के कार्यालय की स्थापना की गई है तथा उनकी गतिविधियां वहां संचालित हो रही है। योजनांतर्गत राजीव युवा मितान क्लबों द्वारा ग्राम पंचायत स्तर, जोन स्तर, विकासखण्ड स्तर तथा जिला स्तर पर खेलकूद कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया है।

बालवाड़ी कार्यक्रम का क्रियान्वयन इसी सत्र से

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा घोषित बालवाड़ी कार्यक्रम का क्रियान्वयन इसी सत्र से किया जाएगा। इसके लिए 15 जून तक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और बालवाड़ी के शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग के विशेष सचिव एवं एससीईआरटी के संचालक राजेश सिंह राणा ने आज राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) में कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए यह जानकारी दी।

राणा ने कहा कि बच्चों को हम स्थानीय परिवेश में कैसे बेहतर ढंग से सिखा सकते हैं, एक विषय विशेषज्ञ के रूप में नई शिक्षा नीति में 5 से 6 वर्ष के बच्चों को व्यावहारिक शिक्षा दी जाएगी। यह कार्यक्रम महिला बाल विकास विभाग व स्कूल शिक्षा विभाग के समन्वय से सफल होगा। टास्क फोर्स कमेटी में यह निर्णय लिया गया है कि बालवाड़ी कार्यक्रम का संचालन आंगनबाड़ी में किया जाएगा। राणा ने कहा कि देश के ख्याति प्राप्त विषय विशेषज्ञों की उपस्थिति में दो दिवसीय कार्यशाला में दिए गए सुझाव के अनुरूप ऐसी सामग्री तैयार की जा रही है। अतिरिक्त संचालक डॉ योगेश शिवहरे ने क्रियान्वयन के लिए टास्क फोर्स के निर्णय के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बच्चों को किस प्रकार बालवाड़ी तक लाया जाए और इसे इतना आकर्षक बनाया जाए।

खास खबर

एसडीएम और तहसील कार्यालयों में 'अंग्रेजी' में अधिसूचित जाति के नामों की लगेगी सूची

रायपुर। प्रदेश में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के व्यक्तियों को जारी किए जाने वाले जाति प्रमाण पत्रों में 'अंग्रेजी' में अधिसूचित जाति को मान्य किए जाने के संबंध में सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व और तहसीलदारों को निर्देशित किया गया है कि अपने कार्यालयों में छत्तीसगढ़ राज्य के प्रकाशित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के अंग्रेजी में अधिसूचित जाति नामों की सूची अनिवार्य रूप से चस्पा करें, ताकि आवेदनकार्ताओं और आमजनों में भ्रांति खत्म हो सके। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि चूंकि सामाजिक प्रास्थिति प्रमाण पत्र अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं तहसीलदार द्वारा जारी किए जाते हैं। अत: अंग्रेजी में अधिसूचित जाति नामों की सूची अनिवार्य रूप से चस्पा की जाए। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सभी जिला कलेक्टरों को छत्तीसगढ़ राज्य प्रशासन द्वारा लिए गए निर्णय अनुसार जाति प्रमाण पत्रों में 'अंग्रेजी' में अनुसूचित जाति को मान्य करने के संबंध में पूर्व में ही निर्देश जारी किए जा चुके हैं। इस निर्देश पर कहा गया है कि छत्तीसगढ़ राज्य में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों को जारी किए जाने वाले जाति प्रमाण पत्रों में भारत सरकार द्वारा प्रकाशित छत्तीसगढ़ राज्य के लिए 'अंग्रेजी' में अधिसूचित जाति का ही उल्लेख किया जाए। इस संबंध में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में 1 मई को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों को मात्रात्मक त्रुटि के कारण जाति प्रमाण पत्र प्राप्त करने में हो रही कठिनाईयों को दूर करने के उद्देश्य से निर्णय लिया गया था कि अंग्रेजी में अधिसूचित जाति को मान्य करने तथा जाति प्रमाण पत्रों में अंग्रेजी में ही अधिसूचित जाति का उल्लेख किया जाए।

सिलिकोसिस से पीड़ित श्रमिकों के लिए आर्थिक एवं पुनर्वास सहायता योजना

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा संचालित सिलिकोसिस बीमारी से पीड़ित निर्माण कार्यों से संबंधित सभी अधिसूचित प्रवर्गो के श्रमिकों को सहायता पहुंचाई जाती है। योजना के तहत हितग्राही को तीन लाख रूपए प्रदाय किए जाते हैं। हितग्राही के बैंक खाते में एक लाख रूपए की राशि जमा करा दी जाती है। साथ ही दो लाख रूपए की राशि की एफडी करा दी जाती है। एफडी के ब्याज का स्वरूप मासिक ब्याज के रूप में श्रमिक को देय होता है। सिलिकोसिस बीमारी से श्रमिक की मृत्यु होने पर उनके आश्रितों को यह राशि प्रदान की जाती है। पुनर्वास सहायता छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की योजना के तहत पंजीकृत श्रमिकों को ही प्रदान की जाती है।

छत्तीसगढ़ में अभी कोविड वैक्सीन का पर्याप्त भंडार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अभी कोविड वैक्सीन का पर्याप्त स्टॉक है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के मुताबिक प्रदेश में 12 वर्ष से अधिक के लोगों को कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए टीके की पहली और दूसरी खुराक शासकीय कोविड टीकाकरण केंद्रों में नि:शुल्क दी जा रही है। स्वास्थ्य कर्मियों, फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं और 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को इन केंद्रों में प्रिकॉशन डोज भी लगाई जा रही है। छत्तीसगढ़ के पास अभी (26 मई की स्थिति में) कुल 58 लाख 95 हजार 120 टीकों का स्टॉक है। इनमें कोविशील्ड के 31 लाख 64 हजार 620, कोवैक्सीन के 19 लाख 56 हजार 620 और 12 वर्ष से 14 वर्ष के बच्चों को लगाए जा रहे कॉर्बेवेक्स के सात लाख 73 हजार 880 टीके शामिल हैं।

राज्य निवार्चन आयोग के अनुपयोगी वाहन का होगा विक्रय

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग रायपुर के शासकीय अनुपयोगी वाहन क्रमांक सी.जी. 02 1008 का जहां है जैसी स्थिति में है, विक्रय किया जाएगा। जिसके लिए निविदा 10 जून 2022 दोपहर 3: 00 बजे तक आमंत्रित की गई है। आयोग कार्यालय के वाहन टाटा इंडिगो मॉडल एवं क्रय वर्ष 2006 को खरीदने के इच्छुक व्यक्ति निविदा फार्म कार्यालय से कार्यालयीन समय में प्राप्त कर सकते हैं। निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पटल पर देखी जा सकती है और वाहन का अवलोकन भी कार्यालय में किया जा सकता है। अंतिम तिथि तक प्राप्त होने वाली निविदाएं इसी दिन शाम 4:00 बजे खोली जाएंगी।

भेंट-मुलाकात अभियान

किसानों का पैसा खाने वाले बाहर नहीं घूम सकते, उन्हें भेजा जाएगा जेल

माकड़ी में भेंट-मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने किसानों को किया आश्वस्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। किसानों का पैसा खाने वाले बाहर नहीं घूम सकते, उन्हें जेल भेजा जाएगा। किसानों से धोखाधड़ी किये जाने का मामला संज्ञान में आते ही कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। माकड़ी में भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक किसान की शिकायत पर सभी किसानों को आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि किसानों से धोखाधड़ी के मामलों में सख्त कार्रवाई की जाए ताकि ऐसे तत्वों को सबक सिखाया जा सके। उल्लेखनीय है कि माकड़ी में भेंट-मुलाकात के दौरान एक किसान ने सहायक कृषि विस्तार अधिकारी ए.के. टंडन के विरुद्ध शिकायत की थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि टंडन के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि किसानों का हित सरकार की प्राथमिकता है। किसानों को फसल की उचित मूल्य के साथ ही उन्हें संरक्षण देना भी प्राथमिकता में है ताकि खेती किसानी को आगे बढ़ाने में निरंतर मदद मिलती रहे। भेंट-मुलाकात के दौरान उद्योग मंत्री कवासी लखमा, राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम, सांसद दीपक बैज, कोण्डागांव विधायक मोहन मरकाम एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

भेंट मुलाकात के दौरान राशन कार्ड में नाम नहीं जुड़ने की शिकायत की, मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये और कार्यक्रम समाप्त होते तक नाम भी जुड़ गया- भेंट मुलाकात कार्यक्रम में लोगों की समस्या का निदान मौके पर ही हो रहा है। परतू पांडे ने शिकायत करते हुए कहा कि मेरी पत्नी का नाम राशन कार्ड में नहीं जुड़ा है। मुख्यमंत्री ने तुरंत इसके लिए निर्देश दिये। कार्यक्रम की समाप्ति पर मुख्यमंत्री ने परतू को बताया कि आपकी पत्नी सोहदरा का नाम राशन कार्ड में जोड़ दिया गया है।

मावा गिरदा कोण्डानार के तहत हो रहा प्रशिक्षण

बस्तर फाइटर्स के लिए भर्तियां होने वाली हैं और इसकी तैयारियों के लिए प्रशिक्षण भी राज्य शासन द्वारा दिया जा रहा है। मावा गिरदा कोंडानार योजना के तहत इसकी तैयारी के लिए युवक-युवतियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। युवाओं ने बताया कि प्रशिक्षण बहुत उम्दा है और इससे उम्मीद जग गई है कि हम निश्चित ही बस्तर फाइटर्स के लिए चयनित हो जाएंगे।

कोंडागांव का तिखूर जा रहा है वियतनाम भी

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोंडागांव के उत्पादों को अब अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल गई है। यहां का तिखूर वियतनाम भी जा रहा है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जब आपका उत्पाद पहुंचता है तो आपको कई गुना लाभ मिलने की गुंजाइश बनती है। हमारी सरकार की यही कोशिश है कि बस्तर के उत्पादों की विशिष्टता की ब्रांडिंग हो, दुनिया भर को इनकी खूबी की जानकारी मिले। यह प्रमोशन जितना अच्छा होगा, हमारे वनोपजों की मांग उतनी ही बढ़ेगी और आप लोग समृद्धि के नये स्तर को प्राप्त करेंगे।

नरवा योजना से मिल रहा लाभ

नरवा योजना के हितग्राहियों ने भी मुख्यमंत्री से बातचीत की। उन्होंने बताया कि नरवा योजना के माध्यम से जलस्तर काफी बढ़ गया है। पहले ऊंचाई वाले इलाकों में जलसंकट रहता था जो अब दूर हो गया है। इसकी वजह से वे अब दो बार फसल ले पा रहे हैं।

स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल का लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल का लोकार्पण भी किया। यहां पर उन्होंने बच्चों के साथ चाइनीस चेकर गेम भी खेला, उनके साथ कंप्यूटर में बैठे और उन्हें चाकलेट वितरित किये।

पुलिस थाना माकड़ी का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री ने पुलिस थाना माकड़ी का निरीक्षण भी किया। यहां उन्होंने थाने के रोजनामचे को देखा। लंबित प्रकरणों की जानकारी ली। बंदी गृह, अभिलेख कक्ष, कंप्यूटर कक्ष और शस्त्रागार का निरीक्षण भी किया। इस मौके पर उन्होंने आम का पौधा भी रोपा।

भेंट मुलाकात में की गई घोषणाएं

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने माकड़ी में हाइटेक बस स्टैंड की तथा बीजापुर में सहकारी बैंक शाखा खोलने की घोषणा की। सिंचाई के लिए 1466 पम्पों में बिजली कनेक्शनों को स्वीकृति देने की घोषणा की और 12 स्कूलों के नये भवन स्वीकृत करने की घोषणा की। रांधना में उन्होंने मिनी स्टेडियम की घोषणा की। इसके साथ ही बूढ़ातालाब माकड़ी तालाब के सौंदर्यीकरण की घोषणा भी उन्होंने की।

स्कूली बच्चों ने मुख्यमंत्री से पूछा-सर हेलीकॉप्टर से माकड़ी कैसा दिखता है

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सर, हेलीकॉप्टर से माकड़ी कैसा दिखता है? एक स्वर में यह सवाल स्कूली बच्चों ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से पूछा। इस सवाल का जवाब भी मुख्यमंत्री ने बड़ी रोचकता से दिया। उन्होंने बाकायदा पानी की बोतल हाथ में लेकर डिमास्ट्रेशन के साथ इसका उत्तर दिया और बच्चों को जमीन पर रहने और हेलीकॉप्टर में उड़ने का अंतर बता दिया। इसी तरह दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली विभा ये जानना चाहती थी कि मुख्यमंत्री बघेल की हॉबी क्या है? वहीं लालिमा साहू ने पूछा कि, सर आपको हम सभी से मिलकर कैसा लगा? स्कूली बच्चों के कौतुहल को भांपकर मुख्यमंत्री बघेल ने भी बड़ी सहजता से उनके सभी सवालों का जवाब दिया। दरअसल मुख्यमंत्री बघेल माकड़ी में स्वामी आत्मानंद स्कूल पहुंचे थे और सहज-सरल मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर स्कूली बच्चों ने उनके सामने सवालों की झड़ी लगा दी।

यहां मुख्यमंत्री को स्कूली छात्रों ने ही पूरे स्कूल परिसर का भ्रमण कराया। इस दौरान कक्षा 9वीं के छात्र प्रीतेश ने मैग्नेटिक डार्ट गेम खेलने के लिए मुख्यमंत्री बघेल को आमंत्रित किया और कहा, सर आइए देखते हैं आपका निशाना कैसा है। मुख्यमंत्री भी छात्र के इस अनुरोध को टाल नहीं पाए और उन्होंने सटीक निशाना लगाकर दिखाया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने चाइनीज चेकर पर भी हाथ आजमाए और उसमें भी अपना हुनर दिखाया। उल्लेखनीय है कि कोंडागांव के माकड़ी में 1.44 करोड़ रूपए की लागत से स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय का निर्माण किया गया है। इसका लोकार्पण आज मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किया। यह प्रदेश का पहला आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल है, जहां नर्सरी की कक्षाएं भी संचालित होंगी। लोकार्पण के बाद मुख्यमंत्री बघेल स्कूली बच्चों से रू-ब-रू हुए।

कोंडागांव के एरोमा मिशन की महक यूरोप और ईस्ट एशिया तक

मलेरिया मुक्त बस्तर अभियान में भी मददगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। धान की फसल लेने वाले कोंडागांव के किसानों ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की नवाचार अपनाने की पहल का स्वागत करते हुए एरोमैटिक फसलों की दुनिया में कदम रख लिया है। वनाधिकार पत्र से प्राप्त जमीन पर उन्होंने एरोमैटिक फसलें लगाई हैं। इसकी प्रसंस्करण ईकाई भी गौठान में लगा दी गई है। धान में जहां किसानों को 25 हजार रुपए का लाभ होता है, वहीं एरोमैटिक फसलों में 75 हजार रुपए तक लाभ होने की उम्मीद है। इसके लिए बाजार चिन्हांकित कर लिया गया है। शासन ने गौठान में प्रसंस्करण ईकाई लगा दी है। जिले के वनाधिकार क्लस्टर, व्यक्तिगत किसानों द्वारा एरोमैटिक फसलें ली जा रही हैं। इससे पूरे क्षेत्र में आर्थिक संभावनाओं के बड़े अवसर पैदा हुए हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसका शुभारंभ 20 जून 2021 को किया था। एरोमैटिक फसलों का उत्पादन इस दिशा में भी महत्वपूर्ण है क्योंकि एरोमैटिक आइल से मच्छरों को भगाने में मदद मिलती है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप जिले के सीमांत एवं लघु कृषकों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा सुगंधित फसलों की खेती के लिए जिले में 'ऐरोमेटिक कोंडानार' अभियान प्रारंभ किया गया है। राजागांव में ही इन सुगंधित फसलों से सुगंधित तेलों को निकालने हेतु फील्ड डिस्टिलेशन यूनिट की स्थापना की गई है। जिससे किसानों को परंपरागत फसलों से 10 गुना अधिक लाभ प्राप्त होगा। इस सुगंधित तेल का उपयोग इत्र बनाने, साबुन बनाने, हैंडवाश, सेनेटाइजर और मच्छर भगाने के केमिकल बनाने में किया जाता है।

उत्पादन केन्द्र में ही मिला बाजार

एरोमैटिक कोंडानार के प्रबंधन समिति इंदिरा वन मितान समूह के सदस्य श्री हरिश्चन्द्र कोराम ने बताया कि जिला प्रशासन का सनफ्लैग एग्रोटेक संस्था से एमओयू होने के पश्चात यहाँ उत्पादित तेल की संस्था के माध्यम से इंडोनेशिया, यूरोप और यूएस के बाजारों तक पहुंच आसान होगी। उन्होंने बताया कि अब उत्पादकों को तेल बेचने के लिए बाजार की तलाश नहीं करनी होगी, एरोमैटिक कोंडानार की सुगंध ख़रीदारों को स्वयं यहां खींच लाएगी। एरोमेटिक पौधे से मिलने वाला एरोमेटिक ऑयल मच्छर भगाने के केमिकल में भी उपयोग किया जाता है। राज्य शासन की मलेरिया मुक्त बस्तर अभियान में यह योजना सहयोगी होगी । जिससे सम्भाग में मलेरिया से होने वाली मृत्यु की दर में भी कमी आएगी ।

पारम्परिक कृषि छोड़ एरोमेटिक फसलों की खेती से किसान हो रहे समृद्ध

ग्राम मइरडोंगर से आये किसान सम्पत सिंह नेताम ने बताया कि उन्हें राज्य शासन से लगभग ढाई एकड़ भूमि का वन अधिकार पत्र प्राप्त हुआ है। जिसमें पिछले कई वर्षों से वे धान की खेती कर रहे हैं, जिनसे उन्हें सालाना 25 हजार प्रति एकड़ की दर से आर्थिक आय होती थी। उन्हें जिला प्रशासन द्वारा एरोमेटिक पौधों की खेती की जानकारी मिली और उन्होंने इस वर्ष 1 एकड़ में लेमन ग्रास और लगभग डेढ़ एकड़ में (वेटिवेयर) खस का उत्पादन कर रहे हैं। एरोमेटिक ऑयल की बाजार में कीमत 1500 रुपये प्रति लीटर है। इस दर से उन्हें एकड़ में सालाना 70 से 80 हजार रुपए का लाभ होगा।

सेवा ही सबसे बड़ा धर्म

मुख्यमंत्री ने बच्चों को दी सीख

रायपुर। जगदलपुर के स्वामी आत्मानंद स्कूल के निरीक्षण पर पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से स्कूल की नन्ही छात्रा लवली तिवारी ने बड़ी मासूमियत से पूछा- आपको सीएम बनने की प्रेरणा कहां से मिली। मुख्यमंत्री ने लवली से कहा- बेटा मैं सेवा करने आया था, राजनीति सेवा का एक माध्यम है। मुझे प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया, जनता ने चुन लिया मुझे सीएम बना दिया। मुख्यमंत्री ने नन्ही छात्रा से कहा कि चाहे किसी भी क्षेत्र में रहो, सेवा करना चाहिए। माता-पिता की सेवा करें, बड़े बुजुर्गों की सेवा करें, गरीबों की सेवा, मरीजों की सेवा करना चाहिए। ऐसा नहीं है कि बड़े होंगे तब सेवा करेंगे। अभी आप छोटे हैं, घर में मां के काम में हाथ बटा दीजिए। घर में यदि बुजुर्ग हैं, तो उनकी देखभाल कर दें, दवाई दे दे, यही उनकी सेवा है। किसी भी क्षेत्र में रहे, हमें सेवा करनी चाहिए, सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।

मुख्यमंत्री जब कक्षा के निरीक्षण के दौरान लवली के पास पहुंचे। लवली ने उन्हें अंग्रेजी माध्यम स्कूल प्रारंभ करने के लिए धन्यवाद दिया। लवली हाथ के हाथ में एक पोस्टर था, जिसमें लिखा था शासकीय अंग्रेजी माध्यम शालाएं प्रारंभ करने के लिए प्रदेश के यशस्वी मुखिया को हमारे व हमारे परिवार की ओर से सादर आभार। मुख्यमंत्री ने लवली को उज्जवल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

बढ़ती उम्र में फबते रंग

अट्रेक्टिव दिखना भला किसकी चाहत नहीं। यूं भी व्यक्ति का फर्स्ट इंप्रेशन बाहरी लुक से ही बनता है जिसमें आपका पहनावा सबसे आगे रहता है, उसके बाद मेकअप व अन्य एसेसरी। लेकिन कुछ लोग मान बैठते हैं कि अब इस उम्र के बाद खुद को सजाना-संवारना अजीब सा लगेगा। अब यह तो खुद के प्रति नाइंसाफी जैसी बात ही होगी। अगर आपकी उम्र बढ़ रही है और आप फिर भी स्टाइलिश दिखना चाहती हैं तो कुछ ऐसे रंगों को अपने वार्डरोब में इस्तेमाल करें जो आपको जवान दिखाएं। तो जानिये कुछ ऐसे रंगों के बारे में जो आप पर फबें दरअसल 40 की उम्र पार करते ही लगता है कि उम्र बीत सी गयी है ,हम बूढ़े हो रहे हैं। ज़्यादा मेकअप या डार्क कलर्स पहनेंगे तो लोग क्या कहेंगे, पर लोगों का तो काम है कहना। आप स्टाइलिश कलर्स, फुटवियर और मेकअप उपयोग में ला सकती हैं।

टरक्वॉइज़

यह रंग बहुत ही सुन्दर है। नीले और हरे रंग के कॉम्बिनेशन वाले टरक्वॉइज़ यानी फिरोजी रंग चालीस की अवस्था के बाद भी आप पर बेहद खूबसूरत लगेगा। इसे आप साड़ी, कुर्ती , स्टॉल या टॉप में इस्तेमाल कर सकती हैं। इस कलर को व्हाइट, ब्लैक या ब्लू, बॉटम के साथ टीमअप किया जा सकता है। नार्मल गेदरिंग हो या कोई खास फंक्शन आपकी अपीयरेंस में चार चांद लगा देता है।

वॉयलेट

यह कलर आजकल खूब ट्रेंड में है। इस रंग के परिधानों का प्रचलन सभी आयु वर्ग की लेडीज में पॉपुलर हो रहा है। ये अलग-अलग शेड्स में मार्केट में उपलब्ध हैं। कपड़े तो कपड़े, इस रंग के जूते , बैग्स और बेल्ट्स भी इन दिनों लेडीज की च्वाइस में शुमार हैं। ब्लू या ब्लैक बॉटम के साथ यह रंग सब पर जंचता है।

पीच

पीच यानी हल्का गुलाबी रंग। यह कलर भले ही सुनने में बोरिंग लगे,पर ट्रेडिशनल वेयर हो या वेस्टर्न-यह रंग पहनने वाली की पर्सनैलिटी को जंचा देता है। किसी भी एज ग्रुप में यह रंग बहुत फबता है।

शिमरी ब्लैक

यूं तो यह रंग सदाबहार है। खासकर इसे आप डे फंक्शन में इंडोर पहन सकती हैं। कैरी करने पर रॉयल लुक देता है। वहीं यह रंग सर्कल्स, ब्लेमिशेस छुपाने का काम बखूबी करता है। एक और खासियत कि इस रंग के परिधानों में आप स्लिम भी लगती हैं। इन कपड़ों को गोल्ड ज्वेलरी के साथ टीम अप किया जा सकता है। अपने कपड़ों के लिए उपर्युक्त रंगों को चूज करते वक्त मौसम का ध्यान रखना जरूरी है। इस तरह पहनावे में कुछ बदलाव करके आप बिल्कुल नया लुक पा सकती हैं जिससे मिरर के सामने जाने पर आपका मन कहे- यूं ही गिनती रही उम्र!

'फिल्म 'पुष्पा' की कामयाबी गरीब को मिली इज्जत है, साउथ सिनेमा को नब्ज की पहचान'

फिल्म 'विकी डोनर' से हिंदी सिनेमा में पदार्पण करने वाले अभिनेता आयुष्मान खुराना की फिल्मों की तासीर अलग रही है। वह बड़े परदे पर मनोरंजक फिल्मों की एक नई लीक बनाना चाहते हैं। बीते 10 साल में उन्होंने इसमें काफी कुछ कामयाबी पाई भी है, लेकिन सिनेमा के साथ उनके प्रयोग जारी हैं और इन्हें आगे भी जारी रखने की वह हिम्मत बांधे हुए हैं। कोरोना संक्रमण काल में उनकी फिल्म 'गुलाबा सिताबो' ने भी सीधे ओटीटी पर रिलीज होने की एक नई राह हिंदी सिनेमा को दिखाई थी। अपनी पिछली फिल्म 'चंडीगढ़ करे आशिकी' में आयुष्मान एक ट्रांसजेंडर के प्रेमी बने थे और अब अपनी नई फिल्म 'अनेक' में निभा रहे हैं एक अंडरकवर एजेंट की भूमिका।

फिल्म 'अनेक' उत्तर पूर्व भारत को मुख्य भारत से जोड़ने की कितनी कोशिश कर रही है और इसमें कितनी कामयाब रही?

हमारी फिल्म की यही मुहिम है। ये पहली दफा है शायद कि हम हिंदी सिनेमा में पूर्वोत्तर के राज्यों की, जो मुख्यधारा से अलग है और जिनकी बातचीत मुख्यधारा के मीडिया में नहीं होती, उनको मुख्यधारा के सिनेमा से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। और, ये कोशिश सिर्फ बातों में नहीं है। फिल्म 'अनेक' के 70 प्रतिशत कलाकार पूर्वोत्तर राज्यों से हैं। पहली दफा ऐसा हो रहा है। मेरे लिए ये फिल्म बहुत ऐतिहासिक है।

ये कास्टिंग निर्देशक मुकेश छाबड़ा का कमाल है। आप हैरान हो जाएंगे ये जानकर कि उनमें से काफी कलाकार एनएसडी (राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय) से हैं। ये कलाकार 40-50 साल से सिर्फ रंगमंच पर काम कर रहे हैं। उनको फिल्मों में मौका ही नहीं मिला। उनको खुद भी लगता है कि उनके चेहरे अलग दिखते हैं तो शायद मुख्यधारा सिनेमा में उनको मौका ही न मिले। मिलता भी नहीं है। फिल्म में जो टाइगर सांगा बने हैं, जो जॉनसन बने हैं, वे दोनों एनएसडी से हैं। मंझे हुए कलाकार हैं। उनको देखकर लगता है कि मतलब कहां थे अब तक ये लोग। हमारी जो लीड एक्ट्रेस हैं एंड्रिया केविचुसा, वह पहली बार फिल्म कर रही हैं। 21 साल की हैं, मॉडल हैं और परदे पर उनका रुआब भी दिखता है।

फिल्म 'अनेक' की कहानी को चुनने का आपका पैमाना क्या रहा?

'अनेक' ऐसी कहानी है जिसको आप कमर्शियल सिनेमा के मापदंड में नहीं देख सकते। ये एक जरूरी विषय है। मेरे दिल के बहुत करीब रहा है ये विषय। मुझे यह करना ही है। कॉलेज में मेरे म्यूजिक बैंड का एक सदस्य हुआ करता था। वह मणिपुर से था तो वो मुझे बताता था कि चंडीगढ़ में उसके साथ कैसा बर्ताव किया जाता है। चंडीगढ़ में उत्तर पूर्व के लोगों का अपना एक छोटा सा समुदाय भी हुआ करता था। उसे काफी मुश्किल होती थी तो काफी रोष था उसके भीतर इन सब बातों को लेकर कि उनके साथ सही बर्ताव नहीं होता है।

ऐसी फिल्में करते समय क्या बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों का तनाव भी रहता है आपको?

कई फिल्मों को लेकर होता है, कइयों में नहीं भी होता। फिल्म 'अनेक' एक महत्वपूर्ण फिल्म है तो इसको लेकर मुझे बॉक्स ऑफिस का कोई तनाव नहीं है क्योंकि ये कभी सौ करोड़ की फिल्म हो ही नहीं सकती। मुझे बस इतना पता है कि ये अनुभव सिन्हा की फिल्म है तो वह कुछ बोलेंगे, कुछ बौद्धिक सिनेमा दिखाएंगे। ये कमर्शियल मापदंड से नहीं देखी जा सकती। हां, अगर 'ड्रीमगर्ल' होती, 'बाला' होती तो जरूर बात बॉक्स ऑफिस की आती।

एक्ट्रेस का डर: बिल्डिंग में हुए मर्डर से सहमी हुई हैं देवोलीना भट्टाचार्जी, बोलीं- मुंबई में अकेले रहने में डर लगता है

टीवी एक्ट्रेस देवोलीना भट्टाचार्जी काफी समय से मुंबई में अपने पेट के साथ अकेले रह रही हैं। हालांकि एक्ट्रेस अपने बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स में हाउस कीपिंग स्टाफ द्वारा किए गए मर्डर के बाद डरी हुई हैं। देवोलीना ने एक इंटरव्यू में बताया कि इंसिडेंट के बाद वो काफी ज्यादा डर गई हैं, और अब चाहती हैं कि उनकी मां उनके साथ आकर रहने लगें। देवोलीना अक्सर अपने पेट डॉग के साथ पिक्चर्स शेयर करती हैं। उन्होंने एंजल भट्टाचार्जी के लिए अलग सोशल मीडिया अकाउंट बना रखा है। एंजल के इंस्टाग्राम पर 16 हजार फॉलोअर्स हैं।

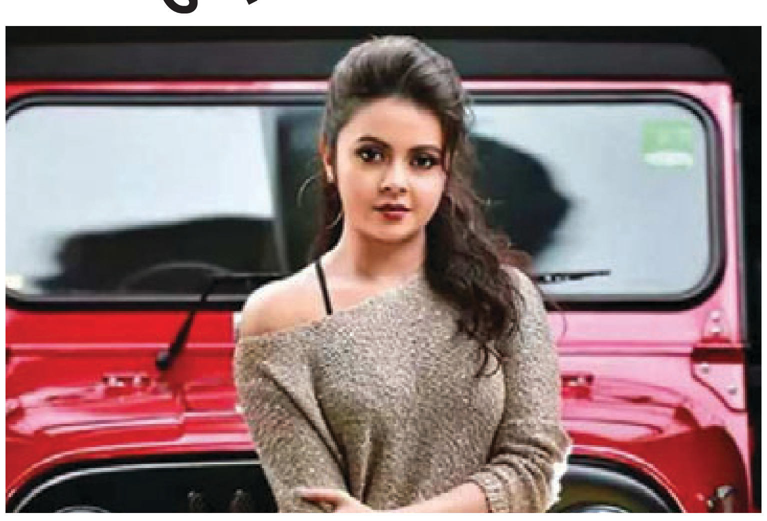

देवोलीना की बिल्डिंग में हुआ मर्डर

रिपोर्ट्स के मुताबिक, साइड वाली बिल्डिंग में घर में काम करने वाली डोमेस्टिक हेल्प की हाउस कीपिंग स्टाफ ने हत्या कर दी और शव को रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया। इस घटना के बारे में बात करते हुए देवोलीना ने एक इंटरव्यू में बताया मैं इस घटना के बाद बहुत घबरा गई हूं और अब मेरे लिए घर पर अपने पेट के साथ अकेले रहना अचानक से डरावना हो गया है। यह इंसिडेंट उसी सोसाइटी में हुआ है, जहां मैं रहती हूं। देवोलीना की मां असम में रहती हैं, एक्ट्रेस ने अपनी मां के बारे में बात करते हुए कहा, मैं चाहती हूं, वो मेरे साथ आकर रहने लगें।

कभी-कभी मुंबई में अकेले डर लगता है

देवोलीना मुंबई शहर को महिलाओं के लिए सेफ सिटी मानती हैं। लेकिन उन्होंने बताया कि जब उन्हें अनजान लोग घूरते हैं, तो एक्ट्रेस असहज महसूस करती हैं। देवोलीना ने कहा, मुंबई एक सुरक्षित शहर है और मैं यहां अकेले रहती हूं। मुझे कभी यहां अनसेफ फील नहीं हुआ। लेकिन जब मैं बिल्डिंग के चारों तरफ वॉक कर रही होती हूं, तो लोग मुझे घूरते रहते हैं, क्योंकि मैं एक एक्ट्रेस हूं। तब मुझे थोड़ा अनसेफ फील होता है। इस घटना के बाद मैं अपने घर में किसी नए व्यक्ति को नहीं आने दूंगी। यह सच में बहुत डरावना है।

'फर्स्ट सेकेंड चांस' से करेंगी बॉलीवुड डेब्यू

देवोलीना ने हाल ही में बॉलीवुड में अपनी डेब्यू फिल्म 'फर्स्ट सेकेंड चांस' के टीजर का खुलासा किया था। लक्ष्मी अय्यर के निर्देशन में बनी फिल्म में देवोलीना के अलावा रेणुका शहाणे, अनंत महादेवन, साहिल उप्पल और निखिल संघ भी लीड रोल में हैं। देवोलीना आखिरी बार बिग बॉस 15 में नजर आई थीं।

सुबह चार बजे अक्षय कुमार से मिलने जिम पहुंचे कपिल शर्मा, इस वजह से उल्टे पांव भागे कॉमेडियन

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म पृथ्वीराज को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। अभिनेता इंडस्ट्री एक मात्र ऐसे एक्टर हैं जो साल में सबसे ज्यादा फिल्में करते हैं। यही वजह है कि अक्षय लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। अपनी दमदार अदाकारी के साथ ही एक्टर अपनी फिटनेस को लेकर भी काफी मशहूर हैं। अपनी सेहत के लिए सर्तक अभिनेता सुबह जल्दी उठकर ही वर्कआउट करते हैं। ऐसे में अब एक्टर की फिटनेस से प्रेरित होकर खुद फेमस कॉमेडियन कपिल शर्मा फिटनेस टिप्स लेने पहुंच गए।

अक्षय से मिलने उनके जिम पहुंचे कपिल शर्मा को देख एक्टर उनसे ही वर्कआउट करवाने लगे। लेकिन इस दौरान कुछ ऐसा हुआ कि कपिल उल्टे पांव वहां से लौट आए। इस पूरे वाक्ये का एक मजेदार वीडियो खुद अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किए गए इस वीडियो में कपिल शर्मा घबराए हुए कुछ सोचते नजर आ रहे हैं और फिर अचानक रात ढाई बजे ही तैयार होने लगते हैं।

वीडियो में कपिल कहते हैं कि अगर मैं सो गया और लेट गया हो गया तो सारी उम्र बेइज्जती करते रहेंगे। इसके बाद कॉमेडियन तैयार होकर निकल पड़ते हैं अक्षय के जिम तरफ। जिम पहुंचते ही कपिल को वहां अक्षय वर्कआउट करते नजर आते हैं। कपिल को वहां देख अक्षय पहले उनसे वर्कआउट करवाते हैं और फिर तलवार चलाना सिखाते हैं। लेकिन अक्षय का यह रूप देख कपिल इतना घबरा जाते हैं कि मौका मिलते ही जिम से भाग निकलते हैं। जाते- जाते कपिल अक्षय से कहते हैं कि पाजी मैं सेट पर मिलने आऊंगा।'

इस वीडियो के दौरान भी अक्षय कुमार और कपिल शर्मा बीच-बीच में फिल्म पृथ्वीराज के बारे में बातचीत करते नजर आए। दरअसल, शेयर किया गया यग वीडियो फिल्म के प्रमोशन के मकसद से ही बनाया गया है। वीडियों में फिल्म का नाम और रिलीज डेट भी नजर आ रही है। वहीं, फिल्म की बात करें तो अक्षय कुमार और मानुषी छिल्लर स्टारर यह फिल्म तीन जून को हिंदी, तमिल और तेलुगू में भी रिलीज की जाएगी। इस फिल्म में संजय दत्त, सोनू सूद, आशुतोष राणा जैसे दिग्गज कलाकार भी नजर आएंगे।

'भूल भुलैया-2' ने फर्स्ट वीक में कमाए 92 करोड़, 2022 में पहले हफ्ते में सबसे ज्यादा कमाने वाली 5वीं फिल्म बनी

एक्टर कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी स्टारर हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूल भुलैया-2' बॉक्स ऑफिस पर लगातार धमाल मचा रही है। अब इस फिल्म ने सिर्फ 7 दिन यानी फर्स्ट वीक में ही करीब 92 करोड़ रुपए का बिजनेस कर लिया है। इसके साथ ही 'भूल भुलैया-2' कार्तिक के करियर की बेस्ट फर्स्ट वीक फिल्म भी बन गई है। इतना ही नहीं केजीएफ-2, डॉक्टर स्ट्रेंज-2, आरआरआर और 'द कश्मीर फाइल्स' के बाद 'भूल भुलैया-2' साल 2022 में पहले हफ्ते में सबसे ज्यादा कमाने वाली 5वीं फिल्म भी बन गई है।

'भूल भुलैया-2' ने इंडिया से 7वें दिन कमाए 7.27 करोड़

ट्रेड एनालिस्ट तरण आर्दश ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर बताया कि लगभग 75 करोड़ रुपए के बजट में बनी 'भूल भुलैया-2' ने इंडिया से 7वें दिन (गुरुवार) 7.27 करोड़ रुपए का बिजनेस कर लिया है। इससे पहले फिल्म ने 6वें दिन (बुधवार) करोड़, 5वें दिन (मंगलवार) 9.56 करोड़, चौथे दिन (सोमवार) 10.75 करोड़, तीसरे दिन (रविवार) 23.51 करोड़, दूसरे दिन (शनिवार) 18.34 करोड़ और पहले दिन (शुक्रवार) 14.11 करोड़ रुपए की कमाई की थी। इस हिसाब से फिल्म ने सिर्फ7 दिन यानी फर्स्ट वीक में इंडिया से ही 92.05 करोड़ रुपए का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कर लिया है। वहीं फिल्म ने अब तक वर्ल्ड वाइड 124.43 करोड़ रुपए का बिजनेस कर लिया है। तरण ने बताया कि 'भूल भुलैया-2' दूसरे हफ्ते में हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बन जाएगी। इतना ही नहीं 'भूल भुलैया-2' कार्तिक की फिल्म 'सोनू के टीटू की स्वीटी' के लाइफटाइम बिजनेस को भी पीछे छोड़ देगी।

2022 में 100 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली 5वीं फिल्म बनेगी

तरण ने बताया कि 'भूल भुलैया-2' जल्द ही साल 2022 में 100 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली 5वीं फिल्म भी बन जाएगी। 'भूल भुलैया-2' (मई) से पहले गंगुबाई काठियावाड़ी (फरवरी), द कश्मीर फाइल्स (मार्च), आरआरआर(मार्च) और जेकीएफ-2 (अप्रैल) ने 100 करोड़ का आंकड़ा पार किया था। इसके अलावा 'भूल भुलैया-2' इस साल पहले हफ्ते में ही सबसे ज्यादा कमाने वाली दूसरी बॉलीवुड फिल्म भी बन गई है। 'भूल भुलैया-2' (92.05) से पहले 'द कश्मीर फाइल्स' ने 97.30 करोड़ रुपए की कमाई की थी। इस लिस्ट में आलिया की गंगुबाई काठियावाड़ी 68.93 करोड़ रुपए की कमाई के साथ तीसरे नंबर पर है।

Pankaj Mobile
Tata Play Connection Available
All Accessories & General Electricals Items
All Types Recharge & DTH, FastTag Recharge
Pankaj Umbre-
Mo.- 9993240894, 7987806710
Shop No.- 4, Jugnu Dera Complex, Adarsh Nagar, Potia Road, Durg (C.G.)

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

हरे कृष्णा S.S.D हरे रामा
firstcare of Kids
Rajendra Choithramani
Mob. 9111830803
न्यू नन्हे उस्ताद Kids Wear
Specialist of all Kinds of Kid's Wear, Cosmetics, Toys & Many More...
हमारे प्रतिष्ठान में अनुभवी कर्मचारियों की आवश्यकता है
पता : मढ़रिया काम्पलेक्स के सामने, आदर्श नगर, दुर्ग (छ.ग.)

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

SHRI SAI COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS XI[th] XII[th] B.COM CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

कलश ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषण के निर्माता एवं विक्रेता
हमारे यहां उचित ब्याज पर गिरवी रखी जाती है।
देवांगन होटल के बाजू में, मुक्तिधाम रोड, रामनगर, भिलाई, जिला-दुर्ग
9074621825

भोलू मोबाईल रिपेयरिंग एवं साफ्टवेयर
सभी प्रकार के मोबाईल रिपेयरिंग किया जाता है
(All IC Work)
मो. - 87199 99358 9131918132
शॉप नं.-148, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

मंत्री अनिला भेंड़िया केरल में महिला विधायकों के राष्ट्रीय सम्मेलन में हुईं शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया केरल की राजधानी तिरूवनंतपुरम में आयोजित महिला विधायकों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल हुईं। केरल विधानमंडल की ओर से देश की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 26 और 27 मई को देश के महिला विधायकों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया है। सम्मेलन में महिला सशक्तिकरण, संविधान और महिला अधिकार, निर्णय लेने वाले निकायों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व और लोकतंत्र की शक्ति जैसे विषयों पर विचार मंथन किया गया।

राष्ट्रीय महिला विधायक सम्मेलन में छत्तीसगढ़ से धरसींवा विधायक श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा, संजारी बालोद विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा और कसडोल विधायक शकुंतला साहू, तखतपुर विधायक श्रीमती रश्मि आशिष सिंह, बैकुण्ठपुर विधायक श्रीमती अंबिका सिंह देव, पंडरिया विधायक श्रीमती ममता चंद्राकर सहित कई विधायक शामिल हुईं।

मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान की दिशा में एक नई पहल

राजनांदगांव। आदिवासी बाहुल्य ब्लॉक मोहला में मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के बेहतर क्रियान्वयन के लिए ग्राम पंचायतों ने अपने ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले आंगनबाड़ी केन्द्रों को इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन उपलब्ध करवाया है। जिससे आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों के वजन का मापन भली-भांति किया जा सकेगा। कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा के मार्गदर्शन में जिले में सुपोषण की दिशा में विशेष कार्य किए जा रहे हैं। कलेक्टर ने बच्चों के सुपोषण के लिए जनप्रतिनिधियों, ग्राम पंचायतों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं जनसामान्य को सहभागिता निभाने के लिए आव्हान किया है। इस एकजुटता के सार्थक परिणाम मिलने लगे हैं और समाज में सुपोषण के प्रति जागरूकता आई है। इसी कड़ी में मोहला विकासखंड में 100 इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन ग्राम पंचायतों ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मोहला के निर्देश के उपरांत ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले आंगनबाड़ी केन्द्रों को उपलब्ध कराया है।

आदिवासियों के इलाज के लिए ले सकते हैं निजी डॉक्टरों की सेवाएं : मंत्री डॉ. टेकाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने कहा है कि जिला स्तरीय अत्याचार निवारण समिति की बैठक नियमित रूप से होने चाहिए। हर तीन महीने के अंतराल पर एक बैठक अनिवार्य रूप से आयोजित होने चाहिए।

डॉ. टेकाम आज यहां जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में बिलासपुर एवं सरगुजा संभाग के सहायक आयुक्त एवं परियोजना प्रशासकों की संयुक्त बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। बैठक में आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के सचिव डी.डी.सिंह एवं आयुक्त मती शम्मी आबिदी सहित संचालनालय एवं दोनों संभाग के विभागीय अधिकारी

उपस्थित थे।

डॉ. टेकाम ने बैठक में जिलेवार संचालित योजनाओं की गहन समीक्षा करते हुए कहा कि आदिवासियों का सर्वांगीण विकास और उनकी समस्याओं का निदान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बजट एवं अन्य संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता के बावजूद योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर गहरी नाराजगी जाहिर की। डॉ. टेकाम ने कहा कि संविधान की धारा 265 एवं 275 के अंतर्गत आदिवासियों के विकास के लिए केन्द्र सरकार द्वारा पर्याप्त अनुदान उपलब्ध कराया जाता है। इन योजनाओं में जितनी जल्दी काम होगा, उसी गति से और बजट मिलेगा। इसलिए तेज गति से काम किये जाये। उन्होंने अन्य निर्माण कार्यों में भी धीमी प्रगति पर भी असंतोष प्रकट किया और अधिकारियों को स्वयं होकर निर्माण कार्यों की प्रगति की मॉनीटरिंग कर समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

डॉ. टेकाम ने कहा कि आदिवासियों के लिए हॉस्टल, आश्रम एवं स्कूल के लिए विभिन्न एजेन्सियों को बजट उपलब्ध कराने से ही हमारा लक्ष्य पूरा नहीं हो जाता है। निर्माण एजेन्सियों से समन्वय बनाकर समय पर पूर्ण कराकर वास्तविक हितग्राहियों को लाभ दिलाना हमारा उद्देश्य होना चाहिए। डॉ. टेकाम ने कहा कि आदिवासियों के पोषण स्तर और सेहत में सुधार करने के लिए स्वास्थ्य विभाग से मिलकर काम करें। यदि जरूरत पड़े तो निजी क्षेत्र की विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं भी ली जानी चाहिए। डॉ. टेकाम ने बैठक में वन अधिकार पत्र के निर्माण एवं वितरण की भी समीक्षा करते हुए इस काम में भी धीमी प्रगति पर असंतोष प्रकट किया। उन्होंने कहा कि जिन-जिन ग्रामों में संभावना हैं, वहां का दौरा कर वनवासियों को आवेदन के लिए प्रोत्साहित करें और उन्हें समझाएं। डॉ. टेकाम ने नगरीय क्षेत्रों में भी वन अधिकार पत्र बांटने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि वनवासियों को अधिकार प्रमाण पत्र के साथ ऋण पुस्तिका भी दिएं ताकि वे विकास कार्यों के लिए बैंक से लोन प्राप्त कर सकें।

आदिम जाति मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा कि स्कूल खुलने के पहले आश्रम एवं छात्रावासों की जरूरी मरम्मत के काम पूर्ण कर लिए जाएं ताकि बच्चों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने पहाड़ी कोरवा, बैगा, बिरहोर एवं पण्डो विकास प्राधिकरण के कार्यों की भी समीक्षा करते हुए तेज गति से उनको शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए।

प्रधानमंत्री ने भारत के सबसे बड़े ड्रोन महोत्सव- भारत ड्रोन महोत्सव 2022 का उद्घाटन किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के सबसे बड़े ड्रोन महोत्सव- भारत ड्रोन महोत्सव 2022 का उद्घाटन किया। उन्होंने किसान ड्रोन पायलटों के साथ भी बातचीत की, खुले में ड्रोन प्रदर्शन देखे और ड्रोन प्रदर्शनी केंद्र में स्टार्टअप्स करने वालों के साथ बातचीत की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, गिरिराज सिंह, ज्योतिरादित्य सिंधिया,अश्विनी वैष्णव, मनसुख मांडविया, भूपेंद्र यादव, कई राज्य मंत्री और नेतागण के साथ-साथ ड्रोन उद्योग से जुड़े उद्यमी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने 150 ड्रोन पायलट सर्टिफिकेट भी दिए।

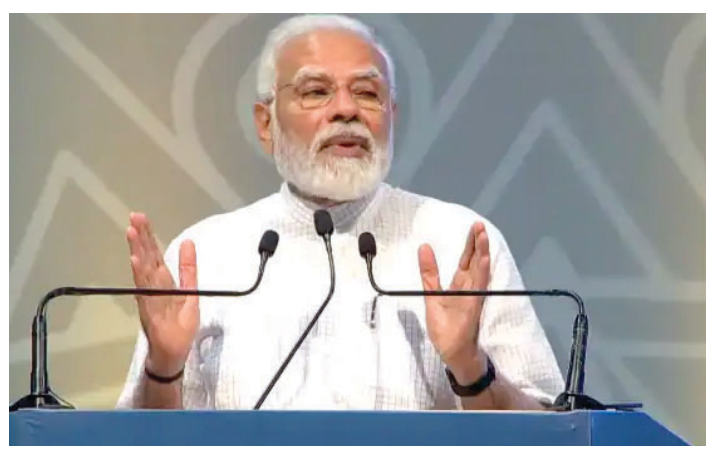

सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने ड्रोन क्षेत्र में अपने आकर्षण और रुचि से अवगत कराते हुए कहा कि वे ड्रोन प्रदर्शनी और उद्यमियों की भावना व क्षेत्र में नवाचार से बहुत प्रभावित थे। प्रधानमंत्री ने किसानों और युवा इंजीनियरों के साथ अपनी बातचीत के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि ड्रोन टेक्नॉलॉजी को लेकर भारत में जो उत्साह देखने को मिल रहा है, वो अद्भुत है। ये जो ऊर्जा नज़र आ रही है, वो भारत में ड्रोन सर्विस और ड्रोन आधारित इंडस्ट्री की लंबी छलांग का प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा, ये भारत में एंप्लॉयमेंट जेनरेशन के एक उभरते हुए बड़े सेक्टर की संभावनाएं दिखाती है।

ठीक 8 साल पहले की नई शुरुआत को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 8 वर्ष पहले यही वो समय था, जब भारत में हमने सुशासन के नए मंत्रों को लागू करने की शुरुआत की थी। मिनिमम गवर्मेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस के रास्ते पर चलते हुए, इज ऑफ लिविंग, इज ऑफ डूइंग बिजनेस को हमने प्राथमिकता बनाया। हमने सबका साथ, सबका विकास के पथ पर आगे बढ़ते हुए देश के हर नागरिक को सुविधाओं और कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले की सरकारों के समय टेक्नॉलॉजी को प्रॉब्लम का हिस्सा समझा गया, उसको एंटी-पुअर साबित करने की कोशिशें हुईं। इस कारण 2014 से पहले गवर्नेंस में टेक्नोलॉजी के उपयोग को लेकर उदासीनता का वातावरण रहा। तकनीक शासन के मिजाज का हिस्सा नहीं बन पाई। इसका सबसे अधिक नुकसान गरीब को हुआ, वंचित को हुआ, मिडिल क्लास को हुआ।

उन्होंने बुनियादी सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए जटिल प्रक्रियाओं को भी याद किया जिससे अभाव और भय की भावना पैदा हुई। उन्होंने कहा कि प्रगति तभी संभव है जब हम समय के साथ बदलें। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी ने अंतिम छोर तक डिलीवरी को सुनिश्चित करने में, सैचुरेशन के विजन को आगे बढ़ाने में बहुत मदद की है। उन्होंने कहा, और मैं जानता हूं कि हम इसी गति से आगे बढ़कर अंत्योदय के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 8 वर्षों का अनुभव मेरे विश्वास को और मजबूत करता है। श्री मोदी ने जोर देते हुए कहा, हमने देश को नई ताकत, गति और ऊंचाई प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी को एक महत्वपूर्ण उपकरण बनाया है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि आज देश ने जो मजबूत, यूपीआई फ्रेमवर्क विकसित किया है, उसकी मदद से लाखों करोड़ रुपये गरीबों के बैंक खाते में सीधे ट्रांसफर हो रहे हैं। महिलाओं को, किसानों को, विद्यार्थियों को अब सीधे सरकार से मदद मिल रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ड्रोन टेक्नोलॉजी कैसे एक बड़ी क्रांति का आधार बन रही है, इसका एक उदाहरण पीएम स्वामित्व योजना भी है। इस योजना के तहत पहली बार देश के गांवों की हर प्रॉपर्टी की डिजिटल मैपिंग की जा रही है, डिजिटल प्रॉपर्टी कार्ड लोगों को दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ड्रोन प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना सुशासन और जीवन को आसान बनाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने का एक और माध्यम है। उन्होंने कहा कि ड्रोन के रूप में हमारे पास एक स्मार्ट टूल है जो आम लोगों के जीवन का हिस्सा बनने जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में अभी कोविड वैक्सीन का पर्याप्त भंडार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अभी कोविड वैक्सीन का पर्याप्त स्टॉक है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के मुताबिक प्रदेश में 12 वर्ष से अधिक के लोगों को कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए टीके की पहली और दूसरी खुराक शासकीय कोविड टीकाकरण केंद्रों में निःशुल्क दी जा रही है। स्वास्थ्य कर्मियों, फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं और 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को इन केंद्रों में प्रिकॉशन डोज भी लगाई जा रही है। छत्तीसगढ़ के पास अभी (26 मई की स्थिति में) कुल 58 लाख 95 हजार 120 टीकों का स्टॉक है। इनमें कोविशील्ड के 31 लाख 64 हजार 620, कोवैक्सीन के 19 लाख 56 हजार 620 और 12 वर्ष से 14 वर्ष के बच्चों को लगाए जा रहे कॉर्बेवेक्स के सात लाख 73 हजार 880 टीके शामिल हैं।

राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉ. वी.आर. भगत ने बताया कि कोरोना से बचाव के लिए प्रदेश में अब तक (26 मई तक) कुल चार करोड़ सात लाख चार हजार 111 टीके लगाए जा चुके हैं। इनमें से दो करोड़ 18 लाख 58 हजार 017 पहली डोज के रूप में, एक करोड़ 83 लाख 14 हजार 536 दूसरी डोज के रूप में और पांच लाख 31 हजार 558 टीके प्रिकॉशन डोज के तौर पर लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अभी पर्याप्त मात्रा में कोविड वैक्सीन उपलब्ध है। 12 वर्ष से अधिक उम्र का कोई भी नागरिक अपने निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर टीका लगवा सकता है।

डॉ. भगत ने बताया कि वर्तमान में बालोद जिले में तीनों तरह के टीकों को मिलाकर कुल एक लाख 43 हजार 200, बलौदाबाज़ार-भाटापारा में कुल एक लाख 28 हजार 200, बलरामपुर-रामानुजगंज में एक लाख एक हजार 780, बस्तर में एक लाख 13 हजार 460, बेमेतरा में दो लाख 14 हजार 040, बीजापुर में 45 हजार 370, बिलासपुर में एक लाख 36 हजार 890, दंतेवाडा में 44 हजार 840, धमतरी में 83 हजार 790, दुर्ग में दो लाख 26 हजार 040, गरियाबंद में एक लाख छह हजार 600, गोरेला-पेंड्रा-मरवाही में 41 हजार 250, जांजगीर-चांपा में दो लाख 72 हजार 140 और जशपुर में एक लाख नौ हजार 290 टीकों का स्टॉक है।

निःशुल्क कोविड टीकाकरण के लिए कांकेर में एक लाख 30 हजार 950, कबीरधाम में दो लाख 19 हजार 560, कोंडागांव में एक लाख 64 हजार 350, कोरबा में एक लाख 98 हजार 290, कोरिया में 63 हजार 580, महासमुंद में एक लाख 17 हजार 530, मुंगेली में दो लाख 86 हजार 910, नारायणपुर में 16 हजार 510, रायगढ़ में दो लाख 25 हजार 430, रायपुर में दो लाख 50 हजार 440, राजनांदगांव में तीन लाख 24 हजार 540, सुकमा में 15 हजार 630, सूरजपुर में एक लाख 27 हजार 290 तथा सरगुजा में दो लाख चार हजार 600 टीके उपलब्ध हैं।

महारानी अस्पताल में चिरायु के तहत हुआ वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, 148 मरीजों ने शिविर में कराया उपचार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। शून्य से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों व किशोर-किशोरियों के स्वास्थ्य की जांच करने के लिए शुक्रवार को विशेष जिला स्तरीय वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। महारानी अस्पताल जिला चिकित्सालय में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) के अंतर्गत आयोजित इस विशेष स्वास्थ्य शिविर में 148 लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया।

स्वास्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष शिविर में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत चिरायु दलों द्वारा चिन्हांकित, शून्य से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों व किशोर-किशोरियों को शिविर में बुलाया गया था। इस दौरान कैंप में उनके स्वास्थ्य परीक्षण के साथ ही

आवश्यक जांच व उपचार उपलब्ध कराया गया। आयोजित शिविर में सत्य साईं संजीवनी अस्पताल से कार्डियोलॉजिस्ट, श्री बालाजी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल से ईएनटी, न्यूरो एवं मेडिसिन के विशेषज्ञ उपस्थित थे।

इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के.चतुर्वेदी ने बताया: बच्चों व किशोर-किशोरियों की स्वास्थ्यगत परेशानियों को दूर करने के लिए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम चलाया जाता है। इसके अंतर्गत विभिन्न बीमारियों की जांच तथा उपचार सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। हमारे देश में पोषण और अन्य कमियों की वजह से कई बार गर्भावस्था या जन्म के बाद बच्चों में विभिन्न प्रकार की जन्मजात विकृतियां या विकासात्मक अवरोध जैसी जटिल समस्या उत्पन्न हो जाती है, यदि समय रहते इन समस्याओं का उपचार किया जाए तो स्थाई विकलांगता से बचाव सम्भव है। इसके लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत इन्हीं जन्मजात या जन्म के बाद पाए जाने वाले विभिन्न समस्याओं को एबीसीडी की श्रेणी में रखते हुए शून्य से 18 वर्ष तक के बच्चों का इलाज किया जा रहा है।

आगे जानकारी देते हुए उन्होंने बताया, जिला चिकित्सालय में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों का विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार के लिए वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में शून्य से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों व किशोर-किशोरियों के कान, नाक, गला, हृदय, मस्तिष्क, दंत चिकित्सा, हड्डी व नेत्र रोग से संबंधित जांच की गई।

जिसमें जिला चिकित्सालय के विशेषज्ञ चिकित्सक के साथ ही अनुबंधित निजी चिकित्सालय के चिकित्सा विशेषज्ञों एवं सहयोगियों द्वारा शिशु रोग से संबंधी समस्याओं की जांच कर परामर्श एवं उपचार किया गया।

सृजन संवाद में मनाई गई बख्शी की 129वीं जयंती

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा कथा शिल्पी डॉ. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी की 129वीं जयंती सृजन संवाद भवन में मनाई गई। दिग्विजय महाविद्यलय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर की अध्यक्षता में आयोजित इस आयोजन में बख्शीजी के परिजनों सहित स्थानीय साहित्यकारों, नागरिकों तथा महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने भाग लिया। इस अवसर पर त्रिवेणी संग्रहालय के सृजन संवाद भवन में साहित्य विमर्श नामक चरचा गोष्ठी मे बख्शी साहित्य की विविध विधाओं पर विमर्श किया गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रिसाली (छ.ग.)

क्रमांक / लो.क.वि. / 2022 / 580 रिसाली, दिनांक 26/05/2022

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम अनुज्ञप्तिधारी से 01 कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

(नोट :- ई टेण्डर में ऑफलाईन घरोहर राशि एवं शपथ पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा अन्यथा निविदाकार की निविदा अमान्य किया जावेगा तथा दर को नहीं खोला जावेगा।)

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञाप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी http://eproc.cgstate.gov.in डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता

नगर पालिक निगम, रिसाली

खास-खबर

फार्मेसी की छात्रा ने हॉस्टल में की खुदकुशीः स्टडी के बहाने गई दूसरे कमरे, फिर दी जान नारायणपुर से दुर्ग आकर कर रही थी पढ़ाई

भिलाई। दुर्ग स्थित भारती फार्मेसी कॉलेज में पढ़ने वाली 21 वर्षीय छात्रा ने गर्ल्स हॉस्टल में जाकर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को घटना स्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला है। हालांकि इस संबंध में कोई भी जानकारी देने पुलिस बच रही है। पुलगांव पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच रही है। नारायणपुर जिले की रहने वाली यामिनी सिंह ठाकुर दुर्ग जिले के पुलगांव थाना क्षेत्र में संचालित भारती कॉलेज में पढ़ाई करती थी। शुक्रवार को गर्ल्स हॉस्टल स्थित उसके कमरे में उसकी लाश फांसी के फंदे पर लटकती मिली। जैसे ही मामले की जानकारी पुलगांव पुलिस को हुई, वह मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव की पहचान कराई। शिनाख्त हो जाने के बाद इसकी जानकारी परिजनों को दी गई है। परिजन सूचना मिलते ही दुर्ग के लिए रवाना हो गए।

दूसरे कमरे में जाकर लगाई फांसी

पुलिस के मुताबिक यामिनी गर्ल्स हॉस्टल में अपनी एक सहेली के साथ रहती थी। शुक्रवार देर रात वह पढ़ाई करने के बहाने दूसरे कमरे में चली गई थी। थोड़ी देर बाद जब उसकी सहेली उस कमरे में गई तो चींखते हुए बाहर भागी। इसके बाद वह भागती हुई वार्डन के पास पहुंची और मामले की जानकारी दी। इसके बाद वार्डन घटना स्थल पर पहुंची और पुलिस में शिकायत दी। पुलगांव प्रभारी प्रदीप शौरी ने बताया कि छात्रा ने फांसी क्यों लगाई यह जानने के लिए सभी से पूछताछ की जा रही है।

हत्यारे पति को उम्रकैदः दूसरी पत्नी की गला घोंट हत्या कर लाश दफनाया था

कवर्धा (ए)। दूसरी पत्नी की हत्या के मामले में दोष साबित होने पर आरोपी पति को उम्रकैद हुई है। एक हजार रुपए जुर्माने से दंडित किया है। विशेष न्यायधीश नीता यादव ने आरोपी को सजा सुनाई। मामला सिंघनपुरी जंगल थाना क्षेत्र के ग्राम जरहा नवागांव का है। विवाद होने पर आरोपी ने अपनी दूसरी पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर लाश को दफना दिया था। पछतावा होने पर थाने में सरेंडर कर दिया था। घटना 1 अप्रैल 2021 की है। आरोपी नरेन्द्र पिता पीतांबर साहू (30) ग्राम जरहा नवागांव थाना सिंघनपुरी जंगल का रहने वाला है। वारदात के डेढ़ महीने पहले ही केकती बाई को दूसरी पत्नी बनाकर लाया था। सरोधी ईंट भट्ठा में झोपड़ी में रखा था। वारदात वाली रात करीब12 बजे दोनों में विवाद हुआ। इस पर आरोपी नरेन्द्र साहू ने तैश में आकर स्कार्फ से केकती बाई का गला घोंटकर हत्या कर दी। फिर भट्ठे के पास ही गड्ढा खोदकर शव को दफना दिया था। पुलिस के मुताबिक आरोपी नरेन्द्र साहू पहले से शादीशुदा है। उसके 3 बच्चे हैं। शादीशुदा होने के बाद भी उसने केकती (मृतका) से अफेयर किया। केकती ग्राम जगन्नाथपुरी, थाना साजा (बेमेतरा) की रहने वाली थी। वारदात के एक साल पहले दोनों की जान- पहचान हुई थी। प्रेम संबंध बने। वारदात के डेढ़ महीने पहले केकती ने कॉल कर कहा कि वह प्रेग्नेंट हो गई है और उसके साथ रहना चाहती है। इस पर आरोपी नरेन्द्र उसे अपने साथ ले आया। लेकिन समाज और घरवालों के डर से गांव स्थित ईंट भट्ठा में झोपड़ी बनाकर उसी में रह रहे थे।

चोरों ने अपने ही 2 साथियों की हत्या की

एक पर चाकू से 12 वार किए फिर पुल से नीचे फेंका, दूसरे का गला रेतकर दफनाया

धमतरी (ए)। धमतरी में एक दिन पहले सोनामागर पुल के नीचे मिले युवक के शव की हत्या की गुत्थी सुलझ गई है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही एक और मर्डर का भी खुलासा हो गया। पता चला कि तीनों आरोपी चोर हैं और उन्होंने मिलकर अपने ही दो साथियों की हत्या की है। एक पर 12 बार चाकू से वार किया और उसे पुल से नीचे फेंक दिया। दूसरे का गला रेत उसका शव नदी किनारे दफना दिया था।

कांकेर के चरामा निवासी तरुण यादव, जुगल किशोर देवांगन, इमामुद्दीन खान, नूतन ध्रुव और दयाशंकर तिवारी पांचों आपस में दोस्त हैं और चोरी व पॉकेटमारी किया करते हैं। पांचों बुधवार देर शाम घूमने के लिए निकले थे। वे बाइक पर धमतरी पहुंचे और वहां सिहावा में सभी ने शराब पी। आरोप है कि इसके बाद इमामुद्दीन खान, नूतन ध्रुव और दयाशंकर तिवारी ने मिलकर तरुण यादव व जुगल किशोर देवांगन से मारपीट शुरू कर दी।

महानदी किनारे दफना दिया शव

इसके बाद तीनों आरोपियों ने दोनों को चाकू मार दिया। दोनों जमीन पर गिरे तो आरोपियों ने उनकी पिटाई की फिर तरुण पर चाकू से वार कर दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने तरुण पर 10 से 12 वार चाकू के किए। जबकि जुगल किशोर का गला रेत दिया। फिर तरुण को उठाकर पुल के ऊपर ले गए और वहां से नीचे फेंक दिया। इसके बाद जुगल के शव को बाइक पर लेकर अमेठी गांव में महानदी के किनारे पहुंचे और रेत में दफ्ना दिया।

सीसीटीवी के जरिए पुलिस आरोपियों तक पहुंची

एक दिन पहले पुल के नीचे शव मिलने की जांच पुलिस ने शुरू की तो सीसीटीवी फुटेज में तीनों आरोपी दिखाई दिए। इस पर पुलिस ने वहां से निकलने वाले रास्तों में लगे फुटेज चेक किए तो घटना के समय के करीब सभी जगह तीनों आरोपी ही दिखाई दिए। इस आधार पर पुलिस कांकेर में उनके गांव चरामा तक पहुंच गई। वहां शव की फोटो से पहचान कर लोगों ने उनकी दोस्ती के बारे में बताया। इस पर पुलिस ने संदेह के आधार पर तीनों को हिरासत में ले लिया।

तीनों ने चोरी की, दोनों ब्लैकमेल करने लगे

पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि जब भी वे कोई चोरी करते तो बंटवारे को लेकर उनमें विवाद होता था। अरुण और जुगल सबसे ज्यादा झगड़ा करते। तीनों आरोपियोंने एक जगह चोरी की थी। इसे लेकर भी दोनों उन्हें ब्लैकमेल कर रहे थे। बार-बार पुलिस को बताने की धमकी देते। इस पर उन्होंने दोनों को रास्ते से हटाने की साजिश की। इसी के चलते वे दोनों को सिहावा लेकर गए और खूब शराब पिलाने के बाद हत्या कर दी।

जांजगीर में दर्दनाक हादसा, कार ने दो बच्चों को रौंदा

टक्कर से 10 फीट दूर गिरे, मौके पर ही मौत

जांजगीर-चांपा (ए)। जांजगीर में शुक्रवार सुबह तेज रफ्तार कार ने दो बच्चों को रौंद दिया। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर लगने के बाद दोनों बच्चे करीब 10 फीट दूर जा गिरे। इसके बाद भी चालक ने कार नहीं रोकी और फरार हो गया। इसके बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने जाम लगा दिया। घटनास्थल से करीब 6 किमी दूर जाकर चालक और अंदर बैठे लोग कार छोड़कर भाग निकले।

जानकारी के मुताबिक, चांपा क्षेत्र के ग्राम महुदा में सबरिया डेरा निवासी

मनोज गोंड़ (10) पुत्र रतन गोंड और राजू गोंड़ (9) पुत्र जगदीश गोंड शुक्रवार सुबह जांजगीर-कोरबा रोड पर आम तोड़ने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान चांपा से कोरबा की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने उच्चभिट्ठी गांव के पास दोनों बच्चों को टक्कर मार दी। दोनों बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि हादसे में कार का बोनट भी अंदर दब गया और नंबर प्लेट भी टूटकर वहीं गिर गई। घटना का पता चलते ही डेरे के सारे लोग सड़क पर एकत्र हो गए। उन्होंने जांजगीर-कोरबा रोड पर जाम लगा दिया। सूचना पर चांपा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों के मनाने के लिए प्रशासनिक अफसर भी पहुंच गए। काफी समझाइश के बाद डेरे के लोग माने और करीब एक घंटे बाद जाम खत्म किया।

कार की नंबर प्लेट के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की। साथ ही कोरबा के उरगा थाने को सूचना दी। इस पर कोरबा पुलिस ने घटनास्थल से करीब 6 किमी दूर सड़क पर खड़ी कार को बरामद किया। उसके बोनट के ऊपर का हिस्सा भी दबा हुआ था, ऐसे में आशंका है कि टक्कर के बाद बच्चे उछलकर उस पर गिरे होगे। अब कार चालक और उसके मालिक के बारे में पता लगाया जा रहा है।

नाइक कंपनी का नकली जूता बेचने पर कारोबारी गिरफ्तार

दुकान से दो लाख मूल्य के 120 जोड़ी नकली जूते जब्त

रायपुर। लाखेनगर इलाके में नाइक इनोवेट कंपनी का नकली जूता बेचने वाले कारोबारी नवीन खत्री को आजाद चौक पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कारोबारी की दुकान से 120 जोड़ी नकली जूते जब्त किए गए। आजाद चौक पुलिस के मुताबिक, यूनाइटेड ओव्हरसीज ट्रेड मार्क कंपनी न्यू दिल्ली के अधिवक्ता दिल्ली निवासी उमर अब्दुला ने अश्वनी नगर ढाल में स्थित ब्रांड काटेज जूता दुकान में नाइक कंपनी का नकली जूता बेचने की शिकायत थाने में की थी। इसके बाद गुरुवार को पुलिस टीम ने दुकान में दबिश दी। तलाशी लेने पर नाइक इनोवेट कंपनी की 70 जोड़ी और 50 जोड़ी कार्टून में पैक नकली जूते मिले। चंगोराभाठा, छुगानी प्राइड डीडीनगर निवासी दुकान संचालक नवीन खत्री (23) से पूछताछ करने पर उसने नकली जूता खरीदकर बेचना बताया। जब्त जूते की कीमत पौने दो लाख रुपये तक आंकी गई है। पुलिस ने धारा 51, 63 कापी राइट एक्ट का अपराध काम कर अग्रिम कार्रवाई की है।

हर महीने कंपनी को लाखों का नुकसान

अधिवक्ता उमर अब्दुला ने पुलिस को बताया कि दुकानदार लंबे समय से नाइक कंपनी का नकली जूता बेचकर कंपनी को हर महीने लाखों रुपये का नुकसान पहुंचा रहा है।

पुलिस की आधी-अधूरी कार्रवाई

आजाद चौक पुलिस ने नकली जूता बेचने के आरोप में दुकानदार को गिरफ्तार तो कर लिया पर उससे इस बात की जानकारी नहीं ली कि वो इस जूते को कहां से खरीदकर ला रहा था? जानकार मानते हैं कि यदि पुलिस इस प्रकरण में ये जानकारी जुटा लेती तो रायपुर से पुलिस की एक टीम संबंधित कंपनी में जाकर छापा मारकर एक बड़ा रैकेट पकड़ सकती थी।

आधी-अधूरी कार्रवाई कर पुलिस ने अपनी पीठ थपथपा तो ली पर एक बड़ा रैकेट अब भी चल रहा है। आश्चर्य इसे लेकर है कि कंपनी के जिस अधिवक्ता ने पुलिस से ये शिकायत की थी, बताया जा रहा है कि उन्होंने भी इस नकली जूते को बनाने वाली कंपनी पर सीधे कार्रवाई के लिए पुलिस से कोई मांग नहीं की। ऐसे में कहा जा सकता है कि पुलिस ने केवल कार्रवाई की औपचारिकता निभाई।

मां-बाप को मारकर गाड़ने वाले आरोपी ने की खुदकुशीः मानसिक हालत बिगड़ने पर अस्पताल लाया गया था, बाथरूम में फंदे पर लटकती मिली लाश

बिलासपुर (ए)। सरगुजा में अपने माता-पिता की हत्या करने वाले 17 साल के लड़के की लाश बिलासपुर के मेंटल अस्पताल के बाथरूम में फंदे पर लटकती मिली है। उसने अपने माता-पिता की हत्या कर शव को दफ्न कर दिया था। मामला सामने आने पर उसे गिरफ्तार कर बाल सुधार गृह भेजा गया था। इसके बाद से वह सदमे में था। इस दौरान काउंसलिंग में उसने बोला था कि आत्महत्या कर लूंगा। इसके बावजूद अस्पताल प्रबंधन ने उसकी सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया। इधर, मानसिक रूप से बीमार होने पर उसे अंबिकापुर के जिला अस्पताल से राज्य मानसिक चिकित्सालय रेफर किया गया था। घटना कोनी थाना क्षेत्र की है। बाल अपचारी के मौत के इस केस की जांच न्यायिक मजिस्ट्रेट की ओर से की जाएगी।

कोनी थाना प्रभारी सुनील तिर्की ने बताया कि सरगुजा जिले के उदयपुर थाना क्षेत्र में रहने वाले 17 साल के लड़का मानसिक रूप से बीमार था। करीब 15 दिन तक अंबिकापुर के जिला अस्पताल में उसका इलाज चला। फिर उसे इलाज के लिए सात मई को सेंदरी स्थित मानसिक चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। शुक्रवार की सुबह उसकी लाश बाथरूम में फंदे पर लटकती मिली। सुबह होने पर कर्मचारियों ने उसके शव को गमछे से फांसी पर लटकते देखा। स्टाफ ने इस घटना की

जानकारी अफसरों को दी। इसके बाद कोनी पुलिस को सूचना दी गई।

माता-पिता की हत्या के बाद सदमे में हो गया था बीमार

दरअसल, बाल आपचारी ने अपने माता-पिता की हत्या कर दी थी। मामला सामने आने के बाद उसे हिरासत में लेकर बाल सुधार गृह भेजा गया था, जहां उसकी हरकतों को देखकर मनोरोग चिकित्सक को दिखाया गया। बताया गया कि माता-पिता की हत्या के बाद से किशोर सदमे में मानसिक रूप से बीमार हो गया था। इसके चलते उसे अंबिकापुर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

हिरासत में नाबालिग की मौत, इसलिए होगी न्यायिक जांच

टीआई सुनील तिर्की ने बताया कि चूंकि, किशोर बाल अपचारी था और उसे हिरासत में रखा गया था। ऐसे में यह हिरासत में मौत का मामला है। लिहाजा, मजिस्ट्रेट के की मौजूदगी में परिजनों के सामने शव का पंचनामा कराया गया है। मामले की जांच मजिस्ट्रेट की ओर से की जाएगी। पुलिस ने इस घटना की जानकारी उदयपुर पुलिस के माध्यम से मृतक किशोर के परिजन को दी। खबर मिलते ही उसका बड़ा भाई और जीजा बिलासपुर पहुंचे थे।

दो दिन पहले भी दीवार से कूद गया था किशोर

टीआई सुनील तिर्की ने अस्पताल प्रबंधन और स्टाफसे पूछताछ की, तब पता चला कि जब से उसे यहां भर्ती किया गया है, तब से अजीब हरकतें कर रहा था। वह अस्पताल से भागने की कोशिश में था। दो दिन पहले वह दीवार में चढ़कर कूद गया था। हालांकि, इस दौरान उसे ज्यादा चोटें नहीं आई। बताया जा रहा है कि रात में वह बाथरूम गया था, तभी अपने पास रखे गमछे को फंदा बनाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इससे पहले बाल सुधार गृह में वह कई बार खुद को चोट भी पहुंचा चुका था। अंबिकापुर के बाल संप्रेक्षण गृह में उसकी काउंसलिंग हुई थी। इसमें वह बोला था कि वह मर जाएगा। बार-बार वह खुदकुशी करने की बात करता था। इससे उसे स्टेट मेंटल हॉस्पिटल सेंदरी भेज दिया गया था। उसकी मानसिक स्थिति के बारे में पता होने के बाद भी हॉस्पिटल प्रबंधन ने उसकी सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया, जिसके चलते नाबालिग की मौत हो गई।

पॉलिटेक्निक की परीक्षा में फेल होने से भी परेशान था

3 मार्च 2022 को किशोर ने अपने पिता जयराम सिंह (50) व मां फुलसुंदरी बाई (45) की हत्या कर दी थी और घर में ही गड्ढा खोदकर दोनों शव को जमीन में दफन कर दिया था। पांच दिन बाद हत्या के इस मामले का राज खुला। तब पुलिस गांव पहुंची और शव को जमीन से खोद कर बाहर निकाला। पूछताछ में पता चला था कि किशोर कक्षा 12 वीं की दो विषयों की परीक्षा में शामिल नहीं हो पाया था, जिसके कारण फेल हो गया था। इसके बाद पॉलिटेक्निक की परीक्षा भी वह पास नहीं हो पाया था। इससे मानसिक रूप से परेशान था। पुलिस को दिए बयान में वह अपने परिवारवालों पर आरोप लगाया था कि उससे लाड़ प्यार नहीं करते थे। हत्या करने से पहले उसकी मानसिक स्थिति खराब थी और हमेशा चिड़ाचिड़ता रहता था।

अधीक्षक बोले- साथ में अडेंटडेंट था, इसलिए बाथरूम को चुना

मेंटल हॉस्पिटल के अधीक्षक बीआर नंदा का कहना है कि किशोर जब से आया था, तब से मरने की बात कहता था। उसे अलग कमरे में रखा गया था और उसकी देखरेख के लिए एक अटेंडर रखा गया था। उस पर हमेशा नजर रहती थी। बाथरूम के भीतर जाकर उसने खुदकुशी की इसलिए कोई देख नहीं पाया। एक दिन पहले वह खाना खाया फिर डॉक्टर ने उसे अपने साथ इधर उधर घुमाया और समझाया भी था।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

Galaxy Granite
रायपुर से कम दामों में
WholeSaler & Retailer
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

नेहरू जी के बदौलत किसानों को पानी, बेरोजगारों को रोजगार मिला

भिलाई । छत्तीसगढ़ राज्य के पूर्व मंत्री बदरूदीन कुरैशी ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू जी की 58वीं पुण्यतिथि के अवसर पर कैम्प नं.- 1, नेहरू नगर चैक, हास्पिटल सेक्टर-9 में स्थापित पंडित जवाहर लाल नेहरू जी की प्रतिमा में शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, भूतपूर्व विधायक भजन सिंग निरंकारी जी, ने माल्य अर्पण किया। कुरैशी ने सभा को संबोद्धित करते हुए कहा कि पं. जवाहर लाल नेहरू जी के सन् 1955 की दूरदर्शिता को आज बताते हुए कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र, पंचवर्षीय योजना नेहरू जी की देन है इसके बदौलत देश के कई लाखों लोगों की जीविका चल रहा है साथ-ही-साथ देश के किसानों के लिए हरित क्रांति, हीराकुण्ड बांध, भाखरा नागल बांध जैसे परियोजना देशव्यापी बनाया गया ताकि करोड़ों किसानों को खेतों में पर्याप्त पानी मिला। इस प्रकार शिक्षित बेरोजगारों के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र के साथ राउलकेला, बोकारो कारखानों के बदौलत आज भी देश के लाखों शिक्षित बेरोजगारों को नौकरी मिली देश की अर्थव्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए कई योजनाएं बनाई जिसके बदौलत हमारा देश स्वालम्बी बन रहा है। सुभद्रा सिंह, समयलाल साहू, संदीप निरंकारी, विजय साहू, रामाविश्वकर्मा, दुर्गा प्रसाद साहू, जोहन सिन्हा, सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

भिलाई निगम क्षेत्र में जारी विकास कार्यों की अपर आयुक्त ने की समीक्षा

बैठक में प्रगतिरत कार्य को गुणवत्तापूर्वक व शीघ्र करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । भिलाई निगम के अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी ने भिलाई निगम क्षेत्र में जारी विकास कार्यों को लेकर बैठक आयोजित की। निगम क्षेत्र के सभी स्कूलों एवं आंगनबाड़ीयों में पेयजल आपूर्ति एवं शिविर में प्राप्त राशनकार्ड से संबंधित आवेदनों का शीघ्रता से निराकरण करने कहा। मुख्यमंत्री मितान योजना, अवैध प्लाटिंग, प्रधानमंत्री आवास, पेयजल, धन्वंतरी योजना, गोठान और आजीविका गतिविधियों को गंभीरता से लेकर कार्य करने के निर्देश दिए।

निगम के सभागार में आज महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे के निर्देश अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी ने भिलाई निगम क्षेत्र में विकास कार्यो एवं संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक ली। बैठक में सभी जोन आयुक्तों व योजना से संबंधित अधिकारी कर्मचारियों से कार्यों की जानकारी लेते हुए शासन की योजनाओं को हर व्यक्ति को लाभान्वित कराने के उद्देश्य लेकर कार्य करने कहा। बैठक में प्रधानमंत्री आवास के निर्माणाधीन आवास और हितग्राहियों को मिलने वाली किश्त की संख्यात्मक जानकारी लेते हुए प्रक्रिया को जल्द पूरा करने कहा गया। भवन अनुज्ञा विभाग के अधिकारियों को भिलाई निगम क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग एवं अतिक्रमण, अवैध कॉलोनी की रोकथाम हेतु किए जा रहे कार्यो की जानकारी लेकर ऐसे अनैतिक कार्य करने वालों पर शिकंजा कसने के निर्देश दिए। राजीव गांधी आश्रय योजना के पट्टा वितरण, लीज एवं फ्री होल्ड, स्लम पट्टा धारक को भू स्वामी अधिकार देने के कार्यो की जानकारी लेते हुए कार्य में आ रही समस्या का निराकरण करते हुए कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। साफ सफाई, ऑनलाईन भवन अनुज्ञा, पेंशन प्रकरण सहित शिविर में प्राप्त होने वाले समस्याओं के आवेदनों को बिना लेटलतिफी के निराकरण करे ताकि कोई भी आवेदन पेंडिंग न हो।

गोठान में आजीविका साधन बढ़ाने पर फोकस -

समीक्षा बैठक में अपर आयुक्त ने भिलाई निगम द्वारा संचालित गोठान में चल रही गतिविधियों की जानकारी ली जिस पर पीयूआई के सदस्यो ने मुख्यमंत्री जी के मंशा अनुरूप गोठान में नवाचार के तहत आजीविका के साधन बढ़ाए जा रहे है, कुछ कार्य को शुरू करने में आ रही समस्याओं से अवगत कराया गया जिस पर वहां के नोडल अधिकारी को समन्वय बनाकर कार्य करते हुए महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं के आजीविका के साधन बढ़ाने पर फोकस करते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए, वहीं छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना एवं धन्वंतरी योजना की लगातार मॉनिटरिंग एवं प्रचार प्रसार निगम क्षेत्र के नागरिकों को योजना से लाभान्वित कराने के निर्देश दिए। बैठक में अधीक्षण अभियंता आरपी जोशी, उपायुक्त नरेन्द्र बंजारे, उपायुक्त रमाकांत साहू, जोन आयुक्त मनीष गायकवाड़, पूजा पिल्ले, येशा लहरे, अमिताभ शर्मा, ईई टीके रणदीवे, संजय बागड़े, संजय शर्मा, सुनील दुबे, नोडल अधिकारी प्रीती सिंह, स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेन्द्र मिश्रा, सहायक राजस्व अधिकारी परमेश्वर चंद्राकर, मलखान सोरी, बालकृष्ण नायडू सहित विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

66 लोगों की समस्या का मौके पर ही समाधान

निदान 40: केवल समस्या नहीं रोग का भी निदान हो रहा शिविर में

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। व्हीआईपी नगर फेस-2 शक्ति विहार की शरहद पर बने वर्षों पुराने सिवरेज लाइन को ठीक किया जाएगा। शक्ति विहार वार्ड 28 में आयोजित शिविर में पहुंचे नागरिकों ने इस समस्या को प्रमुखता से उठाया। नगर पालिक निगम के आयुक्त आशीष देवांगन ने सिवरेज लाइन को ठीक करने पहले सर्वे करने और फिर कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए।

नागरिकों का कहना था कि व्हीआईपी नगर फेस टू व मैत्री नगर के मध्य बने आवास के पीछे 5 फीट की गली है। पूर्व से सिवरेज सिस्टम बना हुआ है। वर्तमान में चेम्बर जाम हो चुका है। निकासी नहीं होंने की वजह से गंदगी सीधे 5 फीट की गली में जमा हो रही है। गंदगी से न केवल दुर्गन्ध है बल्कि महामारी की आशंका बढ़ गई है। वार्ड 28 के पार्षद डॉ. सीमा साहू की उपस्थिति में आयुक्त ने इस समस्या को ठीक करने पहले सर्वे कर कार्य योजना बनाने निर्देश दिए। मैत्री नगर फेस 6 प्रदीप अस्पताल लाइन में लो प्रेसर के साथ पानी आने की शिकायत को दूर करने की कवायद अधिकारी कर रहे है। आयुक्त ने क्षेत्र की पाइप लाइन को चेक करने कहा है। साथ ही प्रेसर कम होने पर पाइप लाइन बिछाने का काम अमृत मिशन 2 के तहत किया जाएगा।

नागरिकों को त्वरित लाभ हो इसी उद्देश्य से शिविर स्थल पर राशन कार्ड बनाने का कार्य किया जा रहा है। आधार कार्ड बनाने फोटोग्राफी की जा रही है। शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री जितेन्द्र साहू ने कुंतीपंथ को बीपीएल कार्ड, मनोज कुमार साहू को गोमास्ता और मृतक दुर्गेश्वर बंजारे का मृत्यू प्रमाण पत्र परिजन महेन्द्र प्रताप सिंह को सौपा।

शहरी पथ विक्रेताओं को विभिन्न योजनाओ से जोड़ा जाएगा: महापौर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। विधायक अरुण वोरा एवं महापौर धीरज बाकलीवाल के मार्गदर्शन में नगर निगम आयुक्त हरेश मंडावी के निर्देश पर राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन की टीम ने शहरी पथ विक्रेताओं को विभिन्न योजनाओं से जोड़े जाने हेतु कार्य प्रारंभ कर दिया है।

स्वनिधि से समृद्धि योजना अंतर्गत 10000 रुपये ऋण प्राप्त कर चुके पथ विक्रेताओं का सामाजिक आर्थिक प्रोफाइलिंग किया जा रहा है । इस योजना में ऐसे पथ विक्रेता जिन्होंने पूर्व में स्वनिधि योजना अंतर्गत ?10000 लोन का लाभ लिया हैं उनके परिवार का सामाजिक आर्थिक प्रोफाइलिंग किया जा रहा है। ताकि इन्हें शासन की अन्य योजनाओं का लाभ दिया जा सके। स्व निधि से समृद्धि योजना अंतर्गत प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, पथ विक्रेता व उनके परिवार के सदस्यों को पात्रता के आधार पर लाभान्वित किया जाएगा। इस कार्य को करने हेतु राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन की टीम द्वारा 30 लोगो को प्रशिक्षित किया गया है जो विक्रेताओं को कॉल कर रहे है ओर लोगो के बताए गए स्थान पर पहुच कर ऑनलाइन एंट्री कर रहे हैं। स्व निधि से समृद्धि योजना के सफल संचालन हेतु स्वनिधि योजना से लाभान्वित पथ विक्रेताओं से अपील की जाती है अपना व अपने परिवार का आधार कार्ड लाकर अपना सामाजिक आर्थिक प्रोफाइलिंग ऑनलाइन करा ले।

सेक्टर-9 में एंजियोग्राफी की सुविधा अपग्रेडेशन के साथ पुनः प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के अस्पताल प्रबंधन, भिलाई के इस्पात बिरादरी को निरंतर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। अपने इसी प्रतिबद्धता के चलते अस्पताल प्रबंधन अपनी सुविधाओं में निरंतर वृद्धि करती आ रही है। इस कड़ी में आज दिनांक 27 मई, 2022 को हृदय रोगियों के लिए एंजियोग्राफी की सुविधाओं को अपग्रेड करते हुए कैथ लैब को कोविड के बाद पुनः प्रारंभ किया गया। इस सुविधा के प्रारंभ होने की खबर से मरीजों में हर्ष की लहर दौड़ गई।

विदित हो कि सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र, सेक्टर-9 में हाल ही में कार्डियाक कैथ लैब का सॉफ्टवेयर अपग्रेडेषन किया गया है। आज दिनांक 27 मई, 2022 को नये कैथ लैब का उद्घाटन नेषनल हॉर्ट इंस्टीट्यूट के इंटरवेंषनल कार्डियोलॉजिस्ट, डॉ विनोद शर्मा द्वारा, चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वय डॉ एम रविन्द्रनाथ एवं डॉ प्रमोद बिनायके की उपस्थिति में किया गया। इस नई सुविधा के साथ आज 11 मरीजों की एंजियोग्राफी की गई।

अब भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों व भूतपूर्व कर्मचारियों एवं उनकी पत्नियों को एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी की सुविधा जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र, सेक्टर-9 में मिलने लगेगी। एंजियोग्राफी एवं एंजियोप्लास्टी के लिए नेषनल हार्ट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली से डॉ विनोद शर्मा अपनी सेवाएं देंगे। यह सुविधा कार्यपालक निदेषक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें) डॉ एस के ईस्सर के मार्गदर्षन में मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वय डॉ एम रविन्द्रनाथ एवं डॉ प्रमोद बिनायके व डॉ हरिशंकर जोनवार, डॉ उपेन्द्र जैन और कैथ लैब टीम के द्वारा संचालित होगी।

एंजियोग्राफी के अपॉइंटमेंट हेतु ओपीडी कक्ष क्रमांक 1 बी में प्रत्येक बुधवार को डॉ हरिशंकर जोनवार प्रातः 11.00 बजे से 1.30 बजे तक उपस्थित रहेंगे।

हाइटेक की सामाजिक पहल, ओपीडी शुल्क में भारी कटौती हॉस्पिटल के निदेशक मनोज अग्रवाल ने की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । हाइटेक सुपरस्पेशालिटी हॉस्पिटल ने अपनी एक सामाजिक पहल के तहत ओपीडी रेटों में भारी कटौती कर दी है। इसके तहत अधिकांश विशेषज्ञों की ओपीडी अब केवल 150 रुपए होगी। एक विशेष वर्ग के लिए अस्पताल ने आईपीडी को भी सीजीएचएस दरों पर करने की घोषणा की है।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए हॉस्पिटल के निदेशक मनोज अग्रवाल ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि आम लोग बड़े अस्पतालों में जाने से इसलिए डरते हैं कि डाक्टर को दिखाना अफोर्ड नहीं कर पाते। ऐसे लोग अपनी मर्जी से या मोहल्ले के डाक्टर को दिखाकर दवाई ले लेते हैं और कभी कभी समस्या और बड़ी हो जाती है। ऐसे लोग भी योग्य विशेषज्ञों को दिखाकर दवा ले सकें, इसलिए हमने ओपीडी फीस में कटौती कर दी है।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि समाज को समर्पित कुछ पेशेवरों के लिए भी अस्पताल कुछ करना चाहता है। फिलहाल इसकी शुरुआत मीडिया कर्मियों से की जा रही है। इनके या इनके परिवार के सदस्यों का इलाज अब सीजीएचएस रेट पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल को शुरू हुए अभी लगभग ढाई साल हुए हैं। हमारी कोशिश है कि भिलाई को एक ऐसा सुपरस्पेशालिटी अस्पताल दें जो उनके बाहर भागने की मजबूरी को कम कर सके।

इस अवसर पर एक सवाल के जवाब में इंटरवेंशन कार्डियोलॉजिस्ट डॉ आकाश बख्शी ने बताया कि कुछ विभागों को अत्यधिक व्यस्तता के चलते इससे अलग रखा गया है। मरीज को प्रारंभिक तौर पर जिन डाक्टरों की जरूरत होती है उन सभी की ओपीडी फीस कम कर दी गई है। इसका लाभ मरीजों को मिलेगा।

मंच पर निदेशक मनोज अग्रवाल, इंटरवेंशन कार्डियोलॉजिस्ट डॉ आकाश बख्शी के अलावा आईवीएफ विशेषज्ञ डॉ रेखा रत्नानी, गैस्ट्रो सर्जन डॉ नवील शर्मा, न्यूरो सर्जन डॉ दीपक बंसल एवं मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ राजेश सिंघल भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि हॉस्पिटल ने सात विभागों का ओपीडी शुल्क जहां 150 रुपए कर दिया है वहीं डेन्टल की फीस महज 100 रुपए होगी।

दिल्ली में केंद्रीय मंत्री से सम्मानित हुए दया सिंह

कोरोनाकाल में किए बेहतरीन कामों के लिए मिला सम्मान, केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ने थपथपाई पीठ

भोले बाबा की बारात और जनसेवा के लिए पार्षद दया सिंह सम्मानित हुए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम भिलाई के भाजपा पार्षद और बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति के अध्यक्ष दया सिंह को नई दिल्ली में समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ठ कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है। यह सम्मान दया सिंह को केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने दिया है। जी न्यूज के कान्क्लेव में दया सिंह को यह सम्मान दिया गया। इस कान्क्लेव में दया सिंह ने बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति के कार्यों के बारे में बताया। इसके अलावा आने वाले समय में समिति किन विषयों पर काम करने वाली है।

उस पर विस्तार से अपनी बातें रखी। इस कान्क्लेव में दया सिंह के कार्यों की तारीफकी।

इनमें भोले बाबा की बारात का विशेष जिक्र किया गया। चूंकि, भोले बाबा की बारात छत्तीसगढ़ में सबसे बेहतरीन तरीके से निकाला जाता है। हर साल भोले बाबा की भव्य झांकी निकाली जाती है। जिसमें प्रदेशभर के लोग शामिल होते हैं और देशभर से झांकी आती है। केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति के कार्यों की तारीफ की। उन्होंने बढ़िया काम के लिए दया की पीठ थपथपाई।

इन दिनों दिल्ली दौरे पर है दया सिंह

आपको बता दें कि दया सिंह इन दिनों दिल्ली दौरे पर चल रहे हैं। अब तक दो केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर भिलाई की समस्याओं को सामने रख चुके हैं। इनमें केंद्रीय इस्पात राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते और केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री सुभाष सरकार प्रमुख रूप से शामिल है। दोनों से कई विषयों पर चर्चा हुई है। उन्हें आश्वास्त किया है कि आने वाले दिनों में इन विषयों को मंजूरी दी जाएगी।

घर पहुंच सेवा देने वाले मितानों को दक्षता बढ़ाने दिए गए टिप्स

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के नागरिकों को सुविधा देने शुरू की गई मितान योजना को और बेहतर बनाने आज उन्हें प्रशिक्षण दिया गया। घर पहुंचकर विभिन्न तरीके के प्रमाण बनाने की सुविधा प्रदान करने वाले मितान की दक्षता को बढ़ाने दस्तावेजो का परीक्षण एवं ऑनलाइन प्रक्रिया को शीघ्रता से निपटाने के लिए विशेषज्ञों द्वारा टिप्स दिए गए। हितग्राहियों के घर पर दस्तावेज परीक्षण, जन्म, मृत्यु एवं विवाह सहित किसी भी प्रमाण पत्र के लिए कौन कौन से आवश्यक दस्तावेज होते है इसकी विस्तृत जानकारी तहसीलदार एवं सक्षम अधिकारियों ने बताया।

भिलाई निगम के सभागार में आज भिलाई, दुर्ग, चरोदा एवं रिसाली निगम के अंतर्गत कार्य करने वाले मितानों के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में उपस्थित भिलाई की, अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, तहसीलदार क्षमा यदु ने मितान योजना के तहत अब तक आए हुए आनलाइन आवेदनों की जानकारी लेते हुए शीघ्रता से प्रमाण पत्र को बनाकर हितग्राही तक पहुंचाने कहा गया।

प्रशिक्षण में भिलाई के अलावा अन्य निकायों से आए हुए मितान को हितग्राही के घर से दस्तावेज ऑनलाइन सबमिट के लिए फोटो लेने के तरीके, कितने एमबी पर अपलोड करने के फार्मेट की विस्तृत जानकारी दिए जिससे विभागीय अधिकारियों को दस्तावेज परीक्षण में समस्या न हो और शीघ्रता से कार्य को संपादित किया जा सके।

तहसीलदार क्षमा यदु ने मितानों को मितान योजना के तहत जितने भी प्रमाणपत्र बनाए जाने है उनके लिए हितग्राही से लिए जाने वाले आवश्यक दस्तावेजो की जानकारी दिए ताकि प्रमाणपत्र नियमों के तहत बनाया जा सके। इस दौरान उन्होंने बताया कि हितग्राही से लिए आवेदनों को ऑनलाइन अपलोड करते समय दस्तावेजों में अंकित नाम और भरे जाने वाले नामों को ध्यानपूर्वक मिलान के पश्चात ही आवेदन सबमिट करे। गौरतलब है कि माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी ने प्रदेश के सभी 14 निगमों में मुख्यमंत्री मितान योजना प्रारंभ की है। जिसमें कुल 13 प्रकार के प्रमाण पत्र महज कुछ ही समय में घर बैठे प्राप्त किये जा सकेंगे। इच्छुक जनो को टोल फ्री नंबर 14545 नम्बर पर केवल एक बार कॉल करना है। शिविर में स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेन्द्र मिश्रा, डाटा सेंटर प्रभारी तपन अग्रवाल, प्रोग्रामर अशोक, रतन पात्रो, लोक सेवा केन्द्र से जैजल एवं स्टाफ उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950